वर्ष-08 | अंक-276 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

दैनिक

कालप्रिया

RNI-MPHIN/2018/75526

सच वही जो दिखे...

भोपाल, सोमवार

13 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ कृष्ण पक्ष-14, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

केजरीवाल बोले- राममंदिर के चंदा चोरों को फांसी जरूर मिलेगी

महंत कमलनयन ने कहा- चंपत राय चोर नहीं

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि चंदा चोरों को फांसी की सजा जरूर मिलेगी। भाजपा ने भगवान राम के नाम पर वोट मांगकर केंद्र और 21 राज्यों में सरकार बनाई। बदले में प्रभु श्रीराम के साथ विश्वासघात किया। इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा, राम जन्मभूमि आंदोलन और मंदिर निर्माण में चंपत राय का बड़ा योगदान रहा है। लोगों ने उनके साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कोई चोरी नहीं की।

राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन की टीम 22 जुलाई के बाद कमान संभाल सकती है। इस पर मंथन चल रहा है। पुलिस आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को रिमांड पर ले सकती है। दोनों को सोमवार को फैजाबाद कोर्ट में पेश करेगी और 7 दिन की रिमांड मांग सकती है। गोरखपुर में चढ़ावा चोरी को लेकर पोस्टर लगवाने वाले सपा नेता अरविंद शुक्ला समेत 3 लोगों को पुलिस ने शनिवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। तीनों ने शुक्रवार रात पोस्टर लगवाए थे। जिस पर लिखा था- 'राम नाम जपना, श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया दान अपना।

भिण्ड के लहार में लाड़ली बहना योजना का हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

महिला सशक्तिकरण में लाड़ली बहना यो जना क्रांतिकारी पहलः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाएं परिवार की रीढ़ और इज्जत होती हैं। सनातन संस्कृति में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है। महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण के लिये प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, जो निरंतर जारी रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बहनों को सशक्त बनाना अपनी पहली प्राथमिकता मानते हैं। वे चाहते हैं कि ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक महिलाएं प्रमुख भूमिका में रहें। महिला कल्याण और सशक्तिकरण की यही नीति मध्यप्रदेश सरकार की भी है। प्रदेश की लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भिंड जिले के लहार में लाड़ली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना की 38वीं किश्त के रूप में 1835 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि अंतरित कर संबोधित कर रहे थे।

बहनों, बेटियों के विकास के साथ सभी नागरिकों के कल्याण के हो रहे कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कामकाजी महिलाओं की समृद्धि, सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार सभी आवश्यक प्रयास कर रही है। बहनों और बेटियों के साथ युवाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण के प्रयास किए जा रहे हैं। युवाओं को इतना सक्षम बनाया जाएगा कि वे नौकरी पाने में नहीं, बल्कि नौकरी प्रदान करने में सक्षम बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कतिपय लोग महिला कल्याण कार्यक्रमों का विरोध करते हैं। ऐसे लोगों ने स्वयं तो कभी भी लाड़ली बहना जैसी कारगर योजना प्रारंभ नहीं की, अब वे निंदा के अलावा कुछ नहीं करते। यह सर्वविदित है कि लाड़ली बहना योजना में बहनों को दी जा रही राशि परिवार में खुशियां लाने का माध्यम बनी हैं। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और जगदम्बा का स्वरूप हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ रहा है।

बहनों को सशक्त बनाना हमारी पहली प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भिंड जिले में विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। भिण्ड का जवान सीमा की रक्षा करता है और किसान खेती से अपनी पहचान बनाता है। इस अंचल का संबंध महाभारत से जोड़ा जाता है। लहार नामकरण यहां लाक्षागृह के होने से हुआ, ऐसी मान्यता है। इस अंचल पर हनुमान जी की भी विशेष कृपा है। भिंड जिले के साहसी जवान भारतीय सेना में बड़ी संख्या में शामिल हैं। भिंड के बीहड़ कभी दस्यु समस्या के कारण जाने जाते थे, अब यह क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर है। शिवपुरी जिले में हाल ही में सैन्य क्षेत्र में उपयोगी लंबी दूरी तक तेज मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइल की इकाई प्रारंभ करने की पहल हुई है। चंबल, ग्वालियर क्षेत्र में समग्र प्रगति के प्रयास हो रहे हैं। यहां विकास को नए आयाम मिलेंगे। सांदीपनि विद्यालयों से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ मिल रहे हैं संस्कार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भिंड जिले के जिन विकास कार्यों की शुरूआत हो रही है, उनमें 4 सांदीपनि विद्यालों की सौगात भी शामिल है। इतिहास गवाह है कि भगवान कृष्ण और सुदामा की मैत्री का उदाहरण सांदीपनि आश्रम था, अतः राज्य शासन ने सांदीपनि विद्यालय का नाम देकर विद्यार्थियों को समानता के महत्व से भी अवगत करवाया है।

फॉर्च्यून इंडिया की लिस्ट में नंबर 1 पर

नीता अंबानी देश की सबसे पावरफुल महिला

मुंबई (एजेंसी)

रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी फॉर्च्यून इंडिया की सबसे पावरफुल टॉप-100 महिलाओं की लिस्ट में पहला स्थान हासिल किया हैं। यह सम्मान उन्हें लीडरशिप और समाज सेवा के लिए मिला है। उनकी लीडरशिप में फाउंडेशन ने शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में काम करते हुए 2.9 करोड़ बच्चों समेत देश के 10 करोड़ से ज्यादा लोगों की जिंदगी बदली है। इवेंट में नीता अंबानी ने कहा, लीडरशिप को करुणा, समावेश और सशक्तिकरण से परिभाषित किया जाना चाहिए। मेरे लिए सच्ची पावर दूसरों को सशक्त बनाना है। भारत को दया, सहानुभूति और सभी जीवों के प्रति सम्मान पर आधारित सॉफ्ट पावर की ज्यादा जरूरत है। नीता अंबानी ने इस बात पर भी जोर दिया कि लड़कियों को सशक्त बनाने से अंततः देश मजबूत होगा।

मोदी बोले- मैं 25 साल पुराना मफलर पहनकर न्यूजीलैंड आयाः यहीं मुझे गिफ्ट मिला था

हमारे लिए देश की जनसंख्या नहीं, उनकी भावना मायने रखती है

ऑकलैंड। पीएम मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया। पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया। एक- मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा- एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया और आज भी संभाल कर रखा है। पीएम ने आगे कहा कि हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है।

भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है

ये कोलेब का जमाना है, दोनों देश साथ- अगर हम कंटेंट क्रिएटर्स की भाषा में बात करें तो ये कोलेब का जमाना है। दोनों देश स्पोर्ट्स में भी बहुत शानदार कोलेब कर सकते हैं। रग्बी इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। हमें कोच चाहिए, एक्सपर्ट चाहिए। न्यूजीलैंड हमारी बहुत मदद कर सकता है।

हजारों किमी की दूरी, मगर दिल में हिंदुस्तान

हजारों किमी की दूरी, मगर दिल में हिंदुस्तान- हजारों किमी दूर रहते हुए भी आपके दिल के किसी कोने में कहीं न कहीं हिंदुस्तान बसता ही है। शरीर यहां होगा मन भारत में होगा। इसलिए आप भारत की हर उपलब्धि पर भी नजर रखते हैं। देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण भावना अहम- हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। यह वो देश है जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोटिंग का अधिकार दिया था।

भारत दुनिया को विकास के नए मॉडल दे रहा है

पीएम ने कहा- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। सोलर एनर्जी कैपेसिटी में भी भारत दुनिया के बड़े देशों में शामिल हो चुका है। आज का भारत दुनिया को विकास के नए मॉडल दे रहा है। यूपीआई के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल ट्रांजेक्शन हो रहे हैं। ड्रोन टेक्नोलॉजी और स्पेस इकॉनोमी में भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत जितना फोकस इकॉलोजी और इकॉनोमी पर देता है उतना ही हैरिटेज पर भी देता है। हमारे महान सिख गुरुओं ने पूरी मानवता को सेवा साहसा और करुणा का संदेश दिया है। दुनिया के हर कोने में गुरुद्वारे सेवा के सेंटर है।

एनालिसिस दिल्ली सहित पांच राज्य वर्ल्ड बैंक की अपर-मिडल-इनकम कैटेगरी में पहुंचे, बिहार सबसे गरीब राज्य

भारत अभी भी बना हुआ है लोअर-मिडिल इनकम देश

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत अभी भी वर्ल्ड बैंक की नजर में लोअर-मिडिल इनकम वाला देश है, लेकिन देश के कुछ राज्यों की आर्थिक तस्वीर इससे कहीं बेहतर है। एक एनालिसिस के मुताबिक, भारत के 5 राज्य प्रति व्यक्ति आय के आधार पर वर्ल्ड बैंक की अपर-मिडिल इनकम की लिमिट तक पहुंच चुके हैं।

दूसरी ओर, वर्ल्ड बैंक ने हाल ही में श्रीलंका, वियतनाम और फिलीपींस को उनकी आय में लगातार सुधार के चलते हाई इनकम ग्रुप में अपग्रेड किया है, जबकि भारत की पर कैपिटा इनकम अभी भी 2,760 डॉलर के साथ लोअर-मिडिल इनकम कैटेगरी में बनी हुई है। हालांकि, राज्यों के स्तर पर तस्वीर काफी अलग दिखाई देती है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की प्रति व्यक्ति आय फिलहाल 2,760 डॉलर है। यह लोअर-मिडिल इनकम देशों के औसत 2,488 डॉलर से थोड़ा ही ज्यादा है। वहीं, अपर-मिडिल इनकम कैटेगरी में शामिल होने के लिए प्रति व्यक्ति आय 4,636 डॉलर होनी चाहिए। यानी भारत अभी भी इस स्तर से काफी नीचे है। भारत के 5 राज्य ऐसे हैं, जिनकी प्रति व्यक्ति आय वर्ल्ड बैंक की ओर से तय अपर-मिडिल इनकम की लिमिट से ऊपर पहुंच चुकी है। इनमें दिल्ली सबसे आगे है, जहां प्रति व्यक्ति आय 6,217 डॉलर है। इसके बाद कर्नाटक (5,579 डॉलर), तेलंगाना (5,407 डॉलर), तमिलनाडु (5,329 डॉलर) और गुजरात (4,734 डॉलर) का स्थान है। इन सभी राज्यों की प्रति व्यक्ति आय 4,636 डॉलर की लिमिट से ज्यादा है।

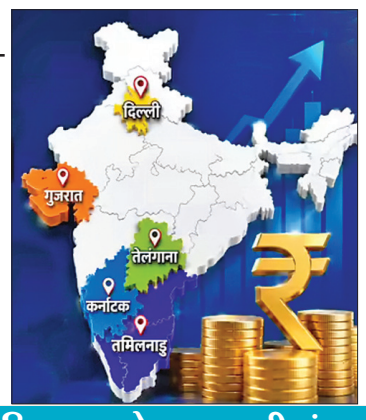

महाराष्ट्र, हरियाणा व केरल मामूली अंतर से पीछे

तीन बड़े राज्य इस लिस्ट में शामिल होने से बहुत कम अंतर से चूक गए। महाराष्ट्र की प्रति व्यक्ति आय 4,628 डॉलर रही, जो तय लिमिट से सिर्फ 8 डॉलर कम है। हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय 4,627 डॉलर रही, यानी वह केवल 9 डॉलर से पीछे रह गया। वहीं केरल की प्रति व्यक्ति आय 4,610 डॉलर रही, जो इस लिमिट से 26 डॉलर कम है। यानी ये तीनों राज्य भी अपर-मिडिल इनकम कैटेगरी के काफी करीब पहुंच चुके हैं।

यूपी और झारखंड भी काफी पीछे

रिपोर्ट के अनुसार, बिहार अभी भी देश का सबसे गरीब बड़ा राज्य बना हुआ है। यहां प्रति व्यक्ति आय केवल 984 डॉलर है। इसके बाद उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,403 डॉलर और झारखंड की 1,470 डॉलर है। एनालिसिस में कहा गया है कि इन तीनों राज्यों की प्रति व्यक्ति आय नेपाल और अफ्रीका के कई देशों से भी कम है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 30 सालों में मीडियम इनकम वाले राज्यों ने सबसे तेज आर्थिक ग्रोथ दर्ज किया। इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय 1994-95 की तुलना में 36.7 गुना बढ़ी। वहीं सबसे समृद्ध राज्यों में यह ग्रोथ 28.3 गुना और सबसे गरीब राज्यों में 26.6 गुना रही। इस दौरान कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु ने सबसे तेज प्रगति की।

मुंबई-पुणे में बारिश-लैंडस्लाइड से त्राहिमाम,कई जगह पुल टूटे

पुणे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, भारी जलजमाव से कई अंडरपास, सबवे और सड़कें बंद

- रेल-सड़क यातायात भी बुरी तरह से प्रभावित
- नासिक में बादल फटने की आशंका से हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)

मुंबई, पुणे सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में हो रही मूसलाधार बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी जलजमाव हो गया है। कई अंडरपास, सबवे बंद है। कई जगहों पर लैंडस्लाइड के कारण भी जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे के साथ-साथ अलग-अलग रेलवे ट्रैक पर लैंडस्लाइड के कारण स्थिति खराब हो गई है। इस बीच अब पुणे के मावल पाटण गांव में पहाड़ा का बड़ा हिस्सा घरों पर गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत की खबर सामने आई है।

कश्मीर में भूस्खलन से हाइवे बंद

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन क्षेत्र में कई जगह पहाड़ से पत्थर गिरे और भूस्खलन हुआ। इससे यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। मौसम के तल्ख मिजाज के देखते हुए कठुआ, उधमपुर, किश्तवाड़ जिले के पहाड़ी एवं दूरदराज क्षेत्रों में करीब 200 स्कूल बंद रहे। वहीं, प्रशासन ने गांदरबल में हिमस्खलन का अलर्ट जारी किया है।

गुरुग्राम में एआई इंजीनियर ने किया गर्लफ्रेंड का मर्डर

हरियाणा। हरियाणा के गुरुग्राम में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंजीनियर ने अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या कर खुद भी सुसाइड कर लिया। युवक का शव रेलवे ट्रैक पर दो टुकड़ों में पड़ा मिला। इसका खुलासा तब हुआ जब युवती के कॉल रिसीव नहीं करने पर उसके परिवार वालों ने मामले की जानकारी सेक्टर-56 थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस परिवार की ओर से बताए गए एड्रेस सेक्टर-55 में पहुंची, जहां युवती किराए पर रहती थी।

ओमान के पास जहाज पर हमला

11 भारतीय सवार थे,भारत ने हमले की निंदा की

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर हमला हुआ। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने रविवार को बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है। भारत ने हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश और बचाव अभियान पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत ने इस अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का धन्यवाद भी दिया। भारत ने कहा कि क्षेत्र में व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। साथ ही तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए।

भारत ने ओमान के पास जहाज पर हमले की निंदा की

भारत ने ओमान तट के पास व्यापारी जहाज जीएसएफ गैलेक्सी पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि जहाज पर सवार 11 भारतीयों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक अब भी लापता है। रूथ ने कहा कि मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन पर नजर रखे हुए है। भारत ने नागरिक जहाजों पर हमले रोकने, तनाव कम करने और क्षेत्र में जल्द शांति बहाल करने की अपील की है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही बहाल करने की भी मांग की है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच ओमान भी इसकी चपेट में आ गया है। ओमानी सरकार ने पुष्टि की है कि देश के मुसंदम गवर्नरेट में ड्रोन हमले हुए हैं।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर बोले- पिता की मौत का बदला लेंगे

अली खामेनेई के निधन के बाद पहली बार नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि अपने पिता और युद्ध में मारे गए लोगों के खून का बदला लिया जाएगा। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका खुद रूथ का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि समझौता तभी चलेगा, जब दोनों पक्ष उसका पालन करें। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की, तो अमेरिका हजारों मिसाइलों से जवाब देगा। उन्होंने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं।

पीएम मोदी के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। एसएफजे के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि, टीम पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया

खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था- खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि 90 के दशक में शहीद खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था। ये लोग सिख युवा, बुजुर्ग, महिलाएं थे और इनको अज्ञात कहकर मार दिया गया था। जसवंत सिंह खालड़ा ने उनकी बात की थी। वह दौर था सिख नरसंहार का। पन्नू ने मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहा- पन्नू ने कहा ने प्रधानमंत्री मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहा। उसने कहा कि पंजाब में अब आर्थिक नरसंहार किया जा रहा है।

अब सरकारी योजना में भी मिलेगा अपना मकान का अहसास

मध्यम आय परिवारों के लिए बनेंगे थ्री बीएचके डुप्लेक्स

ग्वालियर। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-2.0) के तहत नगर निगम इस बार केवल मकान नहीं, बल्कि बेहतर लाइफस्टाइल देने की तैयारी में है। मानपुर-2 फेज-2 परियोजना में सबसे बड़ा बदलाव मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के लिए किया गया है। अब इस वर्ग के हितग्राहियों को बहुमंजिला फ्लैट नहीं, बल्कि तीन बेडरूम वाले डुप्लेक्स मिलेंगे। यानी परिवार को स्वतंत्र आवास का अनुभव मिलेगा, जहां ऊपर-नीचे दो मंजिलों में रहने की सुविधा होगी।

नगर निगम ने परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली है। प्रस्ताव के मुताबिक मानपुर-2 फेज-2 में कुल 1675 आवास विकसित किए जाएंगे। इनमें 960 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), 576 निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और 139 मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के आवास शामिल हैं। पूरी परियोजना पर करीब 285.56 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इस बार की योजना में निगम ने पहले चरण के अनुभवों से सीख ली है। पहले बने आवासों में जगह कम होने और वेंटिलेशन जैसी समस्याओं की शिकायतें सामने आई थीं। इसलिए नए डिजाइन में खुलापन, प्राकृतिक रोशनी और हवा के आवागमन को प्राथमिकता दी गई है। ईडब्ल्यूएस और एलआईजी वर्ग के फ्लैटों में अब ड्राइंग रूम के साथ बेडरूम से भी बालकनी जोड़ी गई है, जिससे रहने वालों को अधिक खुला वातावरण मिलेगा। ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैट का कार्पेट एरिया 31.42 वर्गमीटर और एलआईजी फ्लैट का 55.70 वर्गमीटर निर्धारित किया गया है। सभी भवनों में पार्किंग सहित आधुनिक आवासीय सुविधाओं का भी प्रावधान रखा गया है। नगर निगम ने इस परियोजना को वित्तीय रूप से भी आत्मनिर्भर बनाने की योजना तैयार की है। ईडब्ल्यूएस आवासों पर केंद्र सरकार प्रति आवास 1.50 लाख रुपए और राज्य सरकार एक लाख रुपए का अनुदान देगी। वहीं एलआईजी और एमआईजी आवासों की बिक्री से परियोजना की लागत का बड़ा हिस्सा पूरा होगा। निगम का अनुमान है कि सभी आवासों के निर्माण और बिक्री के बाद करीब 2.06 करोड़ रुपये का अधिशेष भी प्राप्त होगा।

चतुर्वेदी की पुनरीक्षण याचिका खारिज

ग्वालियर, न.सं.। आरटीआई कार्यकर्ता आशीष चतुर्वेदी की पुनरीक्षण याचिका षष्टम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार ने खारिज कर दी है। नाका चन्द्रवदनी निवासी श्री चतुर्वेदी ने अपराध शाखा ग्वालियर एवं झांसी रोड थाने के उपनिरीक्षक आशीष शर्मा के खिलाफ निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट ऐका सोनी ने 10 जुलाई 2025 को उनके खिलाफ निर्णय लिया था। सुनवाई के बाद चतुर्वेदी के तर्क खारिज कर दिए गए। इस मामले में शासन की ओर से पक्ष अतिरिक्त शासकीय अधिवक्ता घनश्याम मंगल ने रखा।

माहेश्वरी महासभा ने समाजहित की योजनाओं से जुड़ने का किया आह्वान

ग्वालियर। (एजेंसी)

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप काबरा के नेतृत्व में महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का शनिवार को अल्प प्रवास पर ग्वालियर आगमन हुआ। इस दौरान आयोजित बैठक में समाजहित में संचालित विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं एवं संगठन की भावी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप काबरा ने महासभा द्वारा शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महासभा विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण पर सब्सिडी, प्रोफेशनल कोर्स के लिए आर्थिक सहायता, महिलाओं के लिए विधवा पेंशन, स्वरोजगार एवं व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण सहायता सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। उन्होंने समाज के लोगों से इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने और संगठन से जुड़कर समाज को सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने रेलवे स्टेशन पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी से सौजन्य भेंट कर विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानद मंत्री अजय काबरा, विजय राठी, नारायण राठी, आशुतोष माहेश्वरी, नवीन डागा, शैलेश भूतड़ा, अक्षय चांडक, मनीष लाखोटिया, संदीप भूतड़ा, प्रशांत गुप्ता, चंद्रकांत गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

महाकाल कोल्ड स्टोरेज के संचालक की नीयत में खोट

व्यापारी की 2.25 करोड़ की दालें लौटाने से किया इंकार

■ न्यायालय के निर्देश पर संचालक पर प्राथमिकी

ग्वालियर। (एजेंसी)

व्यापारी के साथ कोल्ड स्टोरेज के संचालक द्वारा 2.25 करोड़ रुपए की अमानत में खयानत करने का मामला सामने आया है। व्यापारी ने कोल्ड स्टोरेज में मसूर, उड़द, मलका मसूर और काबुली चना की 6565 बोरियां रखवाई थीं, जिन्हें वापस मांगने पर लौटाने से इंकार कर दिया। पुलिस और व्यापारियों से गुहार लगाने के बाद भी जब उनकी कहीं सुनवाई नहीं हुई तो न्यायालय की शरण ली। पुलिस ने न्यायालय के निर्देश पर आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच प्रारंभ कर दी है।

चेतकपुरी विजय नगर निवासी जयराम पुत्र लालचंद डिगवानी 56 वर्ष व्यापारी हैं और उनकी दाल बाजार में भरत ट्रेडिंग कंपनी के नाम से दुकान है। उन्होंने 10 सितंबर 2023 में पुरानी छावनी थाना क्षेत्र स्थित महेश कुमार अग्रवाल के महाकाल कोल्ड स्टोरेज में बड़ी मात्रा में 6 हजार 565 बोरी, जिसमें मलका मसूर , उड़द दाल और काबुली चने की बोरी थीं, जिनकी कीमत 2.25 करोड़ रुपए थी।

व्यापारी जब कोल्ड स्टोरेज के संचालक से अपना माल वापस लेने पहुंचे और माल की मूल रसीदें सामने रखीं तो वह विवाद करने लगे। उनकी नीयत में खोट आ गया था। जब करोड़ों रुपए की दालों को लौटाने से कोल्ड स्टोरेज के संचालक ने इंकार कर दिया तो जयराम ने पहले अपने स्तर पर माल वापस करने के प्रयास किए जिसके लिए उन्होंने व्यापारिक संगठनों और अधिकारियों से माल वापस दिलाने की गुहार लगाई, लेकिन उनकी कहीं सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित व्यापारी ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के निर्देश पर महेश अग्रवाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

चार्जिंग में लगे ई-रिक्शा से करंट लगने से मासूम बच्ची की मौत

■ घर के बाहर खेलते समय हुई घटना

ग्वालियर। (एजेंसी)

मुरार थाना क्षेत्र में घर के बाहर खेल रही 6 वर्षीय मासूम बच्ची की करंट लगने से मौत हो गई। बच्ची खेलते समय चार्जिंग पर लगे एक ई-रिक्शा के पास पहुंच गई और करंट लगने से बेसुध हो गई। तत्काल बच्ची को चिकित्सालय ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम बच्ची की मौत से क्षेत्र में लोग सदमे में हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

सिंहपुर रोड निबुआपुरा निवासी शैलेन्द्र सिंह राणा की 6 वर्षीय बेटी रिया राणा शुक्रवार शाम के समय घर के बाहर खेल रही थी। जिस स्थान पर रिया खेल रही थी वहां पास में एक ई-रिक्शा बिजली के बोर्ड से चार्ज किया जा रहा था। मासूम खेलते हुए ई-रिक्शा के पास पहुंच गई और उसने उसे जैसे ही उसे पकड़ा तो उसे जबरदस्त करंट लगने से वह बेसुध हो गई। आनन फानन में उसे मौके पर मौजूद लोग चिकित्सालय लेकर पहुंचे, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। बताया गया है कि जिस समय मासूम को करंट लगा था उस समय चालक अपने वाहन को छोड़कर चला गया था। चार्जिंग के दौरान तकनीकी खराबी के कारण ई-रिक्शा की लोहे की बॉडी में करंट आ रहा था। मासूम बच्ची की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को विच्छेदन गृह पहुंचाया। मुरार थाना प्रभारी मैना पटेल ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उक्त ई-रिक्शा किसका था और लापरवाही पूर्वक उसे क्यों छोड़ा गया। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है।

स्कूलों में शुरू होगा उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम

ग्वालियर। (एजेंसी)

शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर-किशोरियों के शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखते हुए जिले में 'उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके तहत विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता और बदलती उम्र की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के समग्र शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, यूएनएफपीए तथा क्रियान्वयन एजेंसियों के संयुक्त तत्वावधान में जिला शिक्षा अधिकारी स्वीटी मंगल के मार्गदर्शन में ग्वालियर जिले में तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के अंतिम दो बैच का आयोजन शनिवार को एक होटल में किया गया। प्रशिक्षण में मुरार शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों से दो-दो शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। अब विद्यालयों में इस सत्र में प्रत्येक मंगलवार उमंग कार्यक्रम के अंतर्गत जीवन कौशल शिक्षा के सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनकी ऑनलाइन एप के माध्यम से रिपोर्टिंग भी की जाएगी। जिला उमंग नोडल राजेश भार्गव ने बताया कि यह कार्यक्रम गतिविधि आधारित एवं विद्यार्थियों की सहभागिता पर केंद्रित है। जिला शिक्षा अधिकारी स्वीटी मंगल ने कहा कि उमंग प्रशिक्षण को गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया है। इस अवसर पर कुशल दांगी, राजेश भार्गव, डॉ. दीप्ति गौड़, डॉ. सीमा परमार, सीमा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करना ही सच्ची सफलता है

ग्वालियर। (एजेंसी)

आईटीएम ग्लोबल स्कूल ग्वालियर में शनिवार को ग्रेजुएशन सेरेमनी 'सोलीमनिटास-2026' का आयोजन तुरारी कैंपस स्थित उस्ताद अलाउद्दीन खान ऑडिटोरियम में किया गया। समारोह में सत्र 2025-26 के केजी, ग्रेड-5, ग्रेड-8, ग्रेड-10 और ग्रेड-12 के विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक सफर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल पुष्पविंदर कौर, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी स्वीटी मंगल तथा आईटीएम यूनिवर्सिटी के प्रो- चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान उपस्थित रहे। स्वागत भाषण गीता एस. ने दिया।

विद्यार्थियों ने टोपी हवा में उछाली

समारोह के दौरान यूकेजी के नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी मासूम प्रस्तुतियों और कविताओं से सभी का मन मोह लिया। वहीं ग्रेड-8 की शान्वी गुप्ता, ग्रेड-10 की अन्वी तथा ग्रेड-12 की रिधिमा ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यालय द्वारा मिले संस्कारों के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह का सबसे भावुक और रोमांचक क्षण तब आया, जब ग्रेजुएशन गाउन पहने विद्यार्थियों ने सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बाद जोशीले अंदाज में अपनी ग्रेजुएशन हैट (टोपी) हवा में उछाली। तालियों की गड़गड़ाहट और अभिभावकों के गर्व से भरे चेहरों के बीच विद्यार्थियों ने ग्रेजुएशन गीत भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि नई संस्कृतियों और विचारों को अपनाने के साथ अपने ज्ञान का उपयोग समाज के हित में करना ही सच्ची सफलता है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और संकल्प मजबूत हो, तो दुनिया में कोई भी उपलब्धि असंभव नहीं है। डॉ. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि जीवन की प्रत्येक उपलब्धि का उत्सव मनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर अनीता मित्तल, रेनू अग्रवाल, शिक्षकगण, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बच्चों ने कैटवॉक कर दी मनमोहक प्रस्तुति

ग्वालियर। (एजेंसी)

सरस्वती शिशु मंदिर सरस्वती नगर, ग्वालियर में फाउंडेशन स्टेज के नन्हे विद्यार्थियों के लिए 'यलो डे' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा अरुण से द्वितीय तक के भैया-बहिनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों ने पीले रंग की आकर्षक वेशभूषा धारण करने के साथ-साथ फल, सब्जियों एवं अन्य प्राकृतिक वस्तुओं का स्वरूप धारण कर रंगारंग कैटवॉक प्रस्तुत किया। इस मौके पर नन्हें विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, फाउंडेशन स्टेज के आचार्य परिवार तथा अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

ज्ञान तभी सार्थक, जब समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं

ग्वालियर। (एजेंसी)

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (एबीवी-आईआईआईटीएम) का सप्तम दीक्षांत समारोह शनिवार को गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. श्री निवास सिंह ने की। मुख्य अतिथि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी तथा विशिष्ट अतिथि मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल के निदेशक प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला रहे। समारोह में कुल 360 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं।

निदेशक प्रो. सिंह ने कहा कि उपाधि केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति नई जिम्मेदारियों का प्रारंभ है। उन्होंने बताया कि संस्थान ने वर्ष 2025-26 में 350 से अधिक शोध-पत्र, पुस्तकें और पेटेंट प्रकाशित किए हैं। संस्थान ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग 2025 में इंजीनियरिंग में 96वां तथा प्रबंधन में 93वां स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष विद्यार्थियों को 1.17 करोड़ रुपए का सर्वोच्च और 28.85 लाख रुपए का औसत वार्षिक पैकेज मिला। मुख्य अतिथि प्रो. चतुर्वेदी ने कहा कि सफलता का वास्तविक मापदंड वेतन या पद नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाला सकारात्मक प्रभाव है। उन्होंने विद्यार्थियों से ईमानदारी, उत्कृष्टता और करुणा को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. शुक्ला ने कहा कि अनुसंधान, नवाचार और तकनीक आधारित समाधान ही भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाएंगे। समारोह में 75 बीटेक, 111 एकीकृत बीटेक-एमटेक, 36 एकीकृत बीटेक-एमबीए, 42 एमटेक, 44 एमबीए, 20 पीएचडी तथा 32 बीटेक सूचना प्रौद्योगिकी लेटरल एग्जिट उपाधियां प्रदान की गईं। मेधावी विद्यार्थियों को संस्थान स्वर्ण पदक, सीताराम जिंदल स्वर्ण पदक, गुजरा सिंह स्मृति स्वर्ण पुरस्कार, उत्कृष्टता पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

नशा नहीं करने की ली शपथ

ग्वालियर, न.सं.। भारत विकास परिषद शाखा वीरांगना द्वारा सेवा प्रकल्प के अंतर्गत वीआईपीएस महाविद्यालय, रायरू में 'युवा जागरण एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राजरानी शर्मा, डॉ. रश्मि मिश्रा, रामवीर सिंह जादौन तथा रामकुमार चोपड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विद्यार्थियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे से दूर रहने और समाज में जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस मौके पर सभी छात्र-छात्राओं को नशा न करने एवं दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर कल्पना प्रदीप, डॉ. शशि सेंगर, भारती भाटिया एवं कल्पना पाठक आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में दिव्यांग नीति बनाने के लिए आयुक्त ने किया संवाद

दिव्यांगजनों, विषय विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों की सलाह पर बनेगी नीति

ग्वालियर। (एजेंसी)

प्रदेश में दिव्यांग निधि के महत्वपूर्ण निर्णय के बाद अब बहुत जल्द ही प्रदेश की अपनी दिव्यांग नीति होगी। इसे भोपाल में बैठकर नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के साथ मैदानी परामर्श कर बनाएंगे। प्रदेश के प्रबुद्ध वर्ग, विषय विशेषज्ञ, सिविल सोसायटी के साथ विचार विमर्श के पश्चात अंतिम रूप दिया जाएगा। दिसंबर तक प्रदेश की अपनी दिव्यांग नीति को अंतिम रूप देकर लागू कराया जाएगा। इसके लागू होते ही प्रदेश के दिव्यांगजन समर्थ और सशक्त होंगे उनके जीवन में आने वाली अनेक कठिनाइयां दूर होंगी।

यह बात मप्र के दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खमरिया ने ग्वालियर प्रवास के दौरान जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में प्रदेश की दिव्यांग नीति पर आयोजित कार्यशाला में कही। उन्होंने जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों की स्थिति के बारे में भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों में रिक्त पड़े समस्त पदों को भरा जाएगा और उन्हें संविदा नीति का पूरा लाभ दिया जाएगा ताकि कर्मचारी पूरी प्रामाणिकता और समर्पण से दिव्यांगजनों की सेवा कर सकें । डॉ. खेमरिया ने आगे कहा हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में दिव्यांगजनों को अत्यंत कम ब्याज पर स्वयं के रोजगार स्थापित करने के लिए 10 हजार से लेकर 25 लाख तक ऋण प्रदाय किया जाए, इस पर भी चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग को दिव्यांग सशक्तिकरण विषय पर अब प्रमुखता से कार्य करना चाहिए, इसके लिए पूरे प्रदेश भर में प्रवास कर रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ. खेमरिया को विवेकानंद केंद्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े द्वारा लिखित एक प्रेरक पुस्तक स्प्रिचुलाइजिंग लाइफ स्मृति चिन्ह के रूप में प्रदान की गई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सक्षम के प्रांतीय सचिव दिनेश कुमार शर्मा ने तथा आभार जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र ग्वालियर के सचिव परांकुश शर्मा ने व्यक्त किया। संचालन केंद्र के प्रशासनिक अधिकारी गिरीश कुमार पाल ने किया। इस अवसर पर मप्र राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं सक्षम के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश अरोड़ा एवं अहसास दिव्यांग स्कूल की संचालिका गीता ढींगरा के अलावा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग की सहायक संचालक नम्रता गुप्ता, पत्रकार नवीन सविता सहित अन्य मौजूद रहे।

जैविक खेती ही भविष्य की कृषि वैज्ञानिक तकनीक अपनाएं किसान

ग्वालियर। (एजेंसी)

वर्तमान समय जैविक खेती का है और शुद्ध अनाज, फल तथा सब्जियों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों को प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना चाहिए। यह बात सांसद भारत सिंह कुशवाह ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड तथा विंध्याचल फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आंचलिक किसान मेला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। मेले का विषय किण्वित जैविक खाद (एफओएम) के मूल्यांकन, प्रसार एवं व्यापक विस्तार रहा। विंध्याचल एफपीओ के संस्थापक देवेन्द्र सिंह भदौरिया के प्रयासों से ग्वालियर-चंबल अंचल के एक हजार से अधिक किसानों ने इसमें भागीदारी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी ऋषभ देवानंद महाराज ने की। स्वामी ऋषभ देवानंद ने प्राकृतिक खेती को पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित खाद्य उत्पादन का आधार बताते हुए गौवंश आधारित जैविक आदानों के महत्व पर प्रकाश डाला। मेले में पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने कम लागत वाली टिकाऊ प्राकृतिक खेती का अनुभव साझा किया, जबकि पद्मश्री सेठपाल सिंह ने फसल पोषण और कृषि नवाचारों पर विचार रखे।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को गति देने रेलवे एवं प्रशासन की संयुक्त समीक्षा बैठक संपन्न

निर्माण कार्यों के समन्वय पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

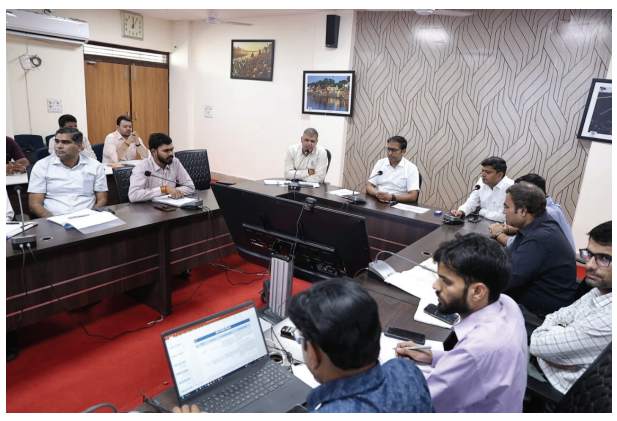

उज्जैन। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज रेलवे विभाग एवं प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक कलेक्टर कार्यालय के प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित की गई। बैठक में सिंहस्थ-2028 से संबंधित रेलवे एवं अन्य विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने तथा कार्यों में आने वाली बाधाओं के निराकरण हेतु आवश्यक निर्णय लिए गए।

बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह,रेलवे के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री पीयूष पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, उज्जैन विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप सोनी सहित, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, एम पी ई बी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में रेलवे निर्माण कार्यों के दौरान नगर निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग तथा विद्युत विभाग के कार्यों के समन्वय पर विभागवार चर्चा की गई। रेलवे स्टेशन को राज्य शासन द्वारा विकसित की जा रही सड़क से जोड़ने, रेलवे स्टेशन पर जलापूर्ति कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में रेलवे ट्रैक के समीप संचालित निर्माण कार्यों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फेसिंग (सुरक्षा बैरिकेडिंग) लगाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त रेलवे लाइन के ऊपर एवं नीचे प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) तथा रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं तकनीकी पहलुओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ-2028 की समयबद्ध तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करें।

एनडीआरएफ द्वारा उज्जैन के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम (SSP) का आयोजन

उज्जैन । राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) की 11वीं बटालियन के श्री मनोज कुमार शर्मा (उप महानिरीक्षक) के दिशा निर्देशन में एक उप-टीम द्वारा गत दिवस उज्जैन के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, संदीपनी नगर, में एक दिवसीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम (स्स्क्) का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम निरीक्षक/जीडी श्रीनिवास मीना के नेतृत्व में कुल 09 बचावकर्मियों की टीम द्वारा संचालित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र - छात्राओं और शिक्षकों को आपदाओं के प्रति जागरूक करना और आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक कौशल सिखाना था। कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ की टीम ने निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण और प्रदर्शन दिया॰

आपदा प्रबंधन॰ आपदा का अर्थ, उसके प्रकार और एनडीआरएफ की भूमिका।

जीवन रक्षक कौशल॰ सीपीआर (CPR), एफबीएओ (FBAO), रक्तस्राव को नियंत्रित करना, ड्रेसिंग और बैंडेजिंग।

बचाव तकनीक॰ इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर बनाना, आपातकालीन और गैर-आपातकालीन स्थिति में घायल को ले जाने के तरीके, और फ्लोटिंग डिवाइस का उपयोग।

सुरक्षा जागरूकता॰ भूकंप ड्रिल, सांप के काटने पर प्राथमिक उपचार (PHT), और आकाशीय बिजली से सुरक्षा।

अग्निशमन॰ फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशामक यंत्र) का सही उपयोग।

तकनीकी ज्ञान॰ दामिनी (Damini), फ्लड वॉच (Flood Watch) और सचेत (Sachet) ऐप्स की जानकारी।

विद्यालय प्रधानाचार्या श्री पदम सिंह चौहान की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 15 स्टाफ सदस्यों (10 महिला, 05 पुरुष) और 250 छात्राओं एवं 210 छात्रों सहित कुल 476 लोगों ने भाग लिया और लाभ उठाया एवं एनडीआर एफ के इस कार्यक्रम की सराहना की ।

कृषि विभाग की किसान भाइयों को सलाह-बिना नमी वाले खेतों में किसी भी प्रकार का खरपतवारनाशी न छिड़कें

उज्जैन । उप संचालक कृषि श्री यू एस तोमर ने बताया कि जिले में सोयाबीन मुख्य फसल है, जिसका कुल रकबा लगभग 5 लाख हेक्टेयर है। जिले में सोयाबीन की बुवाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। फसल की मांग के अनुरूप प्रकृति ने भी अनुकूल साथ दिया है तथा सोयाबीन के लिए उपयुक्त वर्षा हुई है।

पिछले तीन दिनों से मौसम खुला रहने के कारण किसान भाई तुरंत खरपतवार नियंत्रण का कार्य बड़ी तेजी से कर रहे हैं।

वर्तमान में जिले की सोयाबीन फसलें लगभग 10 से 15 दिनों की हो चुकी हैं, जो खरपतवार नियंत्रण के लिए उचित समय है। किसान भाई सुविधा अनुसार खेतों में खरपतवार नियंत्रण हेतु ट्रैक्टर से या बैलों से कुल्पा/डोर चला रहे हैं। जहां खेतों में पर्याप्त नमी उपलब्ध है, वहां खरपतवारनाशी का उपयोग भी किया जा रहा है।

किसानों से विशेष अनुरोध है कि खरपतवारनाशी का प्रयोग करते समय खेतों में पर्याप्त नमी अवश्य होनी चाहिए। बिना नमी वाले खेतों में किसी भी प्रकार का खरपतवारनाशी न छिड़कें। नमी की कमी होने पर कुल्पा या डोर चलाकर ही खरपतवार नियंत्रण करें।

किसान भाई किसी भी कृषि संबंधी सलाह या सहायता के लिए नजदीकी कृषि अधिकारी अथवा कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

ज्ञानोदय विद्यालय का विवाद पहुंचा एसपी कार्यालय, शिक्षकों और सपाक्स ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

उज्जैन। शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय, लालपुर का आंतरिक विवाद अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंच गया है। विद्यालय के शिक्षकों, प्रभारी प्राचार्य, छात्रावास अधीक्षक और सपाक्स संगठन के प्रतिनिधियों ने शनिवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

शिक्षकों और विद्यालय स्टाफ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कुछ अंशकालिक दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी लंबे समय से विद्यालय का माहौल खराब कर रहे हैं। उन पर शिक्षकों और अधिकारियों से अभद्र व्यवहार करने, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, धमकी देने और झूठे मामलों में फंसाने की बात कहने जैसे आरोप लगाए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया कि इन घटनाओं से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है और कर्मचारियों में भय का माहौल है।

प्रभारी प्राचार्य संध्या शर्मा ने कहा कि कुछ कर्मचारी वेतन बढ़ाने और स्थायी करने का दबाव बना रहे हैं, जबकि यह उनके अधिकार क्षेत्र का विषय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें रास्ते में रोककर गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी भी दी गई। उनका कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम से उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है और वे स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। वहीं प्रभारी छात्रावास अधीक्षक जीवन चौहान ने भी आरोप लगाया कि पिछले करीब डेढ़ महीने से उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी वे कर्मचारियों से काम करने के लिए कहते हैं तो उनके साथ गाली-गलौज की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें रास्ते में रोककर जान से मारने की धमकी दी गई, जिसकी शिकायत उन्होंने नागझिरी थाने में की है।

इस मामले में सपाक्स संगठन ने भी पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। संगठन के प्रतिनिधि राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि यदि किसी ने झूठी शिकायत की है तो उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका कहना है कि पुलिस निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाए।

इधर, थाना प्रभारी गजेंद्र पचौरिया ने बताया कि ज्ञानोदय विद्यालय से जुड़े विवाद को लेकर ज्ञापन प्राप्त हुआ है। मामले से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

9 अगस्त को होगी चारद्वार साइकिल यात्रा, अमित पंड्या बने संयोजक

उज्जैन। सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल द्वारा 9 अगस्त को आयोजित होने वाली चारद्वार साइकिल यात्रा-2026 के सफल संचालन के लिए संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा कर दी गई है। संस्था ने अमित पंड्या को यात्रा का संयोजक तथा रोहित येवले को सह-संयोजक नियुक्त किया है। संस्था के अध्यक्ष उत्कर्ष सिंह सेंगर एवं सचिव विवेक मेश्राम ने इन नियुक्तियों की जानकारी दी।

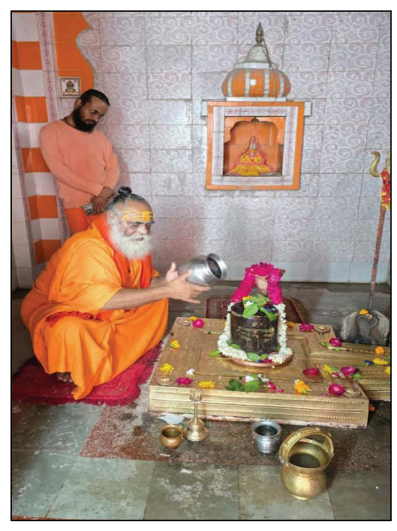

सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर अखाड़ा परिषद महामंत्री ने किया निर्माणाधीन नीलकंठ महादेव मंदिर का निरीक्षण

उज्जैन। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री और जूना अखाड़ा के मुख्य संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने शनिवार को नीलगंगा स्थित जूना अखाड़ा का दौरा किया। यहां उन्होंने नीलकंठ महादेव और नील गंगा भवन स्थित सिद्ध बाबा शिवगिरी महाराज के समाधि स्थल पर पूजन-अभिषेक किया।

आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने निर्माणाधीन नीलकंठ महादेव मंदिर के कार्यों का इंजीनियरों के साथ सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति जानी और संबंधित इंजीनियरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत रामेश्वर गिरी महाराज, थानापति महंत नीलकंठ गिरी महाराज, डॉ. गोविंद सोलंकी, डॉ. राहुल कटारिया, इंजीनियर विनय पाटीदार और श्री बंसल मुख्य रूप से मौजूद थे।

राजा भोज निर्मित एक हजार साल पुराने सती गेट से अतिक्रमण हटाने की मांग

उज्जैन। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने और सुंदरता बढ़ाने के लिए राजा भोज द्वारा बनाए गए एक हजार साल पुराने सती गेट के आसपास से संपूर्ण अतिक्रमण हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर चल रहे विकास कार्यों के तहत इस प्राचीन गेट को भव्य स्वरूप दिया जाना है, लेकिन एक स्थानीय भाजपा नेता की हठधर्मिता के कारण यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट अटक गया है।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र गब्बर कुवाल ने बताया कि सती गेट उज्जैन की प्राचीन धरोहर और आकर्षण का केंद्र है। लोगों की मांग है कि सती गेट के आसपास का पूरा अतिक्रमण तुरंत हटाया जाए ताकि इसका ऐतिहासिक स्वरूप निखर कर सामने आए। इसे इस तरह से विकसित किया जाना चाहिए कि यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने और शहर की सुंदरता में चार चांद लगाए।

इस हजार साल पुराने गेट के सौंदर्यीकरण और कंठाल से छत्रीचौक तक चल रहे मार्ग चौड़ीकरण में भाजपा नेता रूप पमनानी का अतिक्रमण सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। विकास के लिए जहां आम शहरवासी स्वेच्छा से अपनी संपत्तियां छोड़ रहे हैं, वहीं पमनानी अपने मकानों और दुकानों को हटाने का लगातार विरोध कर रहे हैं। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बावजूद सती गेट के पास स्थित इन मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। स्थिति यह है कि नाली का निर्माण भी इन मकानों को छोड़कर किया गया है।

राजेंद्र कुवाल के अनुसार सती गेट महाकाल सवारी मार्ग का अहम हिस्सा है। शहरवासियों का मानना है कि यदि बिना किसी भेदभाव के अतिक्रमण हटाकर सती गेट के दोनों ओर एक समान चौड़ीकरण किया जाए, तो न केवल इस प्राचीन गेट का स्वरूप संतुलित और भव्य दिखेगा, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए पूरा सवारी मार्ग भी आकर्षक और सुगम हो जाएगा।

सीएमएचओ द्वारा नियमित टीकाकरण सत्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया

उज्जैन । स्वास्थ्य सेवाओं एवं टीकाकरण सेवाओं की बेहतर प्रदायगी के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा गत दिवस नागदा तहसील के वार्ड क्रमांक-27 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-62. आजादपुरा में आयोजित नियमित टीकाकरण सत्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रोटोकॉल अनुसार शत-प्रतिशत नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करने व कोई भी पात्र हितग्राही टीकाकरण से वंचित न रहे तथा प्रत्येक गर्भवती महिला एवं शिशु तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समय पर पहुँचाने हेतु निर्देश दिये गये।

स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि सभी हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित प्रबंधन एवं नियमित फॉलोअप करें। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन कर अनमोल पोर्टल पर शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित की जायें। टीकाकरण सत्र में आने वाली गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करने तथा घर पर प्रसव की संभावनाओं को पूर्णतः समाप्त करने हेतु व्यापक जनजागरूकता एवं नियमित परामर्श प्रदान किया जायें साथ ही टीकाकरण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य संबंधी सभी अभिलेखों एवं रजिस्टरों को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित संधारित रखा जाये।

विभागीय सेवायें, नियमित टीकाकरण, समय पर प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है, इसलिये बेहतर प्रयास करने के निर्देश दिये गये।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अशोक कुमार पटेल के साथ मेडिकल ऑफिसर, नागदा, डॉ. रजत पाटीदार, सुपरवाइजर श्री दलपत भी उपस्थित थे।

वीरांगना झलकारी बाई समूह ने किया ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों का भ्रमण

उज्जैन। वीरांगना झलकारी बाई समूह द्वारा मध्यप्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों का शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण के प्रथम चरण में समूह ने भीमबेटका की विश्वप्रसिद्ध शैलचित्र गुफाओं का अवलोकन कर प्राचीन मानव सभ्यता एवं इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात भोजपुर मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर मंदिर की भव्य वास्तुकला एवं ऐतिहासिक महत्व को जाना। द्वितीय चरण में समूह ने पचमढ़ी का भ्रमण किया। इस दौरान पांडव गुफाएँ बी फॉल रीछगढ़ धूपगढ़ एवं महादेव मंदिर का अवलोकन किया। पचमढ़ी की मनमोहक वादियाँ हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य ने सभी सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उज्जैन के महाकाल परिसर में 18 से सजेगा सतरंगी सावन मेला

उज्जैन। शहर के महाकाल परिसर में माहेश्वरी समाज के फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा 18 और 19 जुलाई को दो दिवसीय सतरंगी सावन मेला आयोजित किया जा रहा है। शनिवार और रविवार को आयोजित होने वाले इस मेले में सावन का उत्साह और विभिन्न आकर्षण एक साथ देखने को मिलेंगे।

मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा। मेले के मुख्य आकर्षणों में ढेरों शॉपिंग स्टॉल, आकर्षक खरीदारी के विकल्प, शानदार उपहार, मजेदार तंबोला और स्वादिष्ट फूड जोन शामिल रहेंगे। आयोजकों ने बताया कि मेले में स्टॉल बुकिंग प्रारंभ हो चुकी है। यह बुकिंग सभी समाज के सभी वर्गों के लिए खुली है। स्टॉल बुकिंग के लिए संगीता भूतड़ा, शीतल मूंदड़ा और पायल भूतड़ा से संपर्क किया जा सकता है।

बाहर से आने वाले सदस्यों की सुविधा के लिए आयोजन स्थल पर ही रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी की गई है। इसके तहत एसी रूम 1500 रुपए और नॉन-एसी रूम 1000 रुपए में उपलब्ध रहेंगे। कमरे की सुविधा के लिए आयोजकों को पहले से सूचना देना अनिवार्य होगा।

आयोजन को सफल बनाने और अतिथियों के स्वागत के लिए समिति की संगीता भूतड़ा, शीतल मूंदड़ा, पायल भूतड़ा, आरती सोड़ानी, निशा मूंदड़ा, सुनीता जांवधिया, निर्मला झंवर, सीमा कासट, सीमा पलोड़ और राजश्री भूतड़ा तैयारियों में जुटी हैं। आयोजकों ने शहरवासियों से सपरिवार और मित्रों के साथ पधारकर सावन मेले का भरपूर आनंद लेने की अपील की है।

विश्व जनसंख्या दिवस अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तर पर आयोजित हुई जनजागृति रैली

उज्जैन 11 जुलाई। विश्व जनसंख्या दिवस अभियान के अन्तर्गत अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिला स्तर पर जनजागृति रैली का आयोजन गत दिवस किया गया।

रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अशोक कुमार पटेल द्वारा हरी झंडी दिखाकर आरंभ किया। रैली कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से आरंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरी।

इस अवसर पर डॉ. मंजुषा पिप्पल, जिला परिवार कल्याण अधिकारी, डॉ. सुनीता परमार, जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी, डॉ.शिव मेन्या, डॉ. आदित्य माथुर, ऐपिडियामियोलॉजिस्ट, श्री दिलीप वसुनिया सहायक कार्यकम प्रबंधक, विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी व शासकीय नर्सिंग

महाविद्यालय, उज्जैन की छात्राऐं शामिल हुई।

रैली मे नर्सिंग की छात्राओं द्वारा हाथों में तख्तियां लेकर विश्व जनसंख्या दिवस अभियान एवं परिवार कल्याण कार्यकम का प्रचार-प्रसार किया जा था।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर दिनांक 11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक विश्व जनसंख्या दिवस अभियान का आयोजन किया जायेंगा।

इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस अभियान थीम इस प्रकार है ÷माँ और बच्चे की अच्छी सेहत से लिए गर्भधारण के लिए सही समय तथा गर्भावस्था के मध्य सही अंतर रखा जाना जरूरी है।

अनचाहे गर्भधारण से बचें इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस अभियान का नारा है जब तक बच्चों में सही अंतरा, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल।

विदित है कि, परिवार नियोजन यूनिवर्सल हेल्थ केयर प्राप्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हमारा प्रदेश भी जनसंख्या स्थिरीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। परिवार नियोजन की सेवाओं की पहुंच जन समुदाय को ना होने के कारण अवांछित गर्भधारण में वृद्धि के कारण मातृ मृत्यु दर, स्वास्थ्य संबंधी जटिलतायें एवं नवजात के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

परिवार नियोजन की सेवायें मुख्य रूप से आधुनिक लघुकालीन और दीर्घकालीन गर्भनिरोधकों, स्थायी परिवार नियोजन साधनों, सूचना, परामर्श और सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

विश्व जनसंख्या दिवस अभियान (ङ्खक्क) 2025÷ (11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक) के दौरान जन-समुदाय में जागरुकता बढ़ाने, नवाचारों के माध्यम से परिवार नियोजन के महत्व पर व्यापक प्रचार-प्रसार व सेवाप्रदायगी के माध्यम से परिवार कल्याण कार्यक्रम को सार्थक किया जा सकता है।

संपादकीय

रोजगार विहीन विकास

एक शोधात्मक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में 12 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं, जो न तो पढ़ रहे हैं और न ही उनके पास कोई काम है। मुद्रास्फीति और राजकोषीय घाटे को लेकर अलग-अलग आंकड़े और दावे हैं। बेशक आकलन भिन्न हैं, लेकिन सारांश यही है कि भारत आज विश्व की सबसे तेज और उभरती अर्थव्यवस्था है। भारत आज विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'टैरिफवाद', विश्व व्यापार की बदलती और बिगड़ती व्यवस्था और अब भी जारी ईरान युद्ध के बावजूद वित्त वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर 7.7 फीसदी रही है। मुद्रास्फीति करीब 2 फीसदी है, जो पांच दशकों में सबसे कम है। चौतरफा संकटों के बावजूद चालू खाता घाटा जीडीपी का मात्र 0.6 फीसदी रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार जून में करीब 688 अरब डॉलर रहा, जो सशक्त अर्थव्यवस्था और निवेश का सूचक है। यह भंडार 700 अरब डॉलर से अधिक था, लेकिन ईरान युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित हुई, कच्चे तेल के दाम बढ़े, लिहाजा देश का आयात-बिल भी बढ़ गया, नतीजतन डॉलर के भंडार में कुछ कमी आई। विपरीत स्थितियों के बावजूद भारत का निर्यात (वस्तुएं -सेवाएं मिला कर) करीब 4 फीसदी बढ़ा है। यह अप्रैल-मई में करीब 15 फीसदी था। विदेशों में बसे और काम कर रहे प्रवासी भारतीय जो धन अपने माता-पिता, घरों को भेजते हैं, वह राशि करीब 140 अरब डॉलर है, जो सर्वकालिक अधिकतम है। यह भारतीय जीडीपी के 3.5-4 फीसदी के बराबर है। क्या ऐसी अर्थव्यवस्था को 'संकटग्रस्त' करार दे सकते हैं अथवा 'सुनामी' के आंशिक संकेत भी मिल सकते हैं? देश का राजकोषीय घाटा भी कम हुआ है। केंद्र सरकार का ऐसा घाटा जीडीपी के 4.4 फीसदी के समान है। बजट में भी यही लक्ष्य तय किया गया था। हालांकि राज्य सरकारों के साथ संयुक्त राजकोषीय घाटा 7.7 फीसदी के करीब है। यह घाटा भी बहुत ज्यादा है। यह 4 फीसदी से कम होना चाहिए। दरअसल यही भारतीय अर्थव्यवस्था का सारांश यथार्थ है, जो 'गुलाबी' लगता है। कई संदर्भों में 'हरा' भी प्रतीत होता है, जो गतिशीलता का प्रतीक है। बहरहाल अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ सवाल किए जा सकते हैं। मसलन-औसत घरेलू मांग कम क्यों है? क्या देश के आम नागरिक की क्रय-शक्ति घटी या सीमित है? मांग का सीधा असर बाजार, उत्पादन, रोजगार पर पड़ता है। भारत में बेरोजगारी दर के बजाय रोजगार की दर एक अहम चिंतित सरोकार है। सरकारी एजेंसियां और संस्थाएं रोजगार की दर का खुलासा नहीं करतीं। बेरोजगारी दर आनुपातिक तौर पर कम हो जाती है। सरकारें उसी पर अपने गाल बजाने लगती हैं। सरकारी रपटों में ऐसे आकलन के दो मानदंड हैं। मार्च, 2026 में 15-59 साल आयु-वर्ग के 100 में से करीब 39 फीसदी लोगों के पास रोजगार था। करीब 10 साल पहले यही औसत करीब 43 फीसदी था। जाहिर है कि भारत में रोजगार घटे हैं। आखिर सरकार कार्य-बल बनाम श्रम-बल का विभाजन क्यों करती है? काम तो दोनों वर्गों को चाहिए। बेरोजगारी के आंकड़े कम दिखाने के मद्देनजर ऐसी कवायद की जाती रही है। देश जान ही नहीं पाता कि कामकाजी आयु-वर्ग में रोजगार की हताशा कितनी है और बेरोजगारी वाकई में कितनी भयावह है? देश की अर्थव्यवस्था व्यापक हो सकती है, हमारी वैश्विक औसत महत्वपूर्ण हो सकती है, हम विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था भी बन सकते हैं, उससे आम भारतीय की जिंदगी बेहतर नहीं होगी। मकसद बेहतरी का होना चाहिए, न कि आंकड़ों की गिनती का। सरकार को बेरोजगारी को दूर करने के लिए उचित प्रयास करने चाहिए। तेजी से बढ़ते आर्थिक विकास के बावजूद रोजगार विहीन विकास एक बड़ी चिंता है।

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार

अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंका

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

देश को नक्सल आतंक की जकड़ से बाहर निकालने और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंक दिया है। इस बार निशाने पर केवल घुसपैठ नहीं, बल्कि घुसपैठ के जरिये सीमावर्ती इलाकों में बदलता जनसंख्या संतुलन, तस्करी, मादक पदार्थों का जाल, कट्टरपंथ, ड्रोन खतरे, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध की पूरी रणनीति है। अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और सीमाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच देने का व्यापक अभियान अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अमित शाह का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ प्रश्न है, ऐसे में यह अभियान वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भारत की सुरक्षा का भी मजबूत आधार बनेगा।

हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है। इतनी विशाल सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों के भरोसे संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समाज की भागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। इसी सोच के तहत सरकार अलग थलग सीमा चौकियों की पुरानी व्यवस्था से आगे बढ़कर एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की स्मार्ट सीमा की परिकल्पना आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे आधुनिक सीमा सुरक्षा व्यवस्था का रूप लेगी।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में हिंसा के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी निर्णायक प्रहार किया जाएगा। साथ ही ऐसा मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिससे देश पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बने और भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ की संभावना लगभग समाप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी होती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान तैयार कर रही है।

देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमावर्ती क्षेत्रों में बदलते जनसंख्या स्वरूप पर मोदी सरकार का विशेष ध्यान है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती इलाकों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण अवैध घुसपैठ है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंख्या अध्ययन अभियान प्रारंभ किया है, जिसके तहत जनसंख्या में हो रहे अस्वाभाविक बदलावों का अध्ययन किया जाएगा, उनके कारणों की पहचान होगी और भविष्य में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्वाभाविक कारणों से होने वाली जनसंख्या वृद्धि पर कठोरता के साथ नियंत्रण किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक तत्काल पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

सरकार सीमाओं को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत ढांचे पर भी अभूतपूर्व निवेश कर रही है। अमित शाह ने बताया कि सीमा क्षेत्रों में आधारभूत संरचना पर निवेश में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की गई है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सड़कों, संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भारत म्यांमार सीमा के सोलह सौ दस किलोमीटर लंबे हिस्से पर 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ लगाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसका उद्देश्य केवल घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि छद्म युद्ध, अवैध हथियारों की आवाजाही, मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित अन्य गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है।

साथ ही मोदी सरकार की सीमा सुरक्षा नीति केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। सीमावर्ती गांवों को मजबूत बनाना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के अंतिम गांव को पहला गांव बताया है। इस योजना के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन रोकने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मोदी सरकार का मानना है कि जब सीमा पर बसे गांव समृद्ध होंगे, वहां के लोग सुरक्षित और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सीमा सुरक्षा भी स्थायी रूप से मजबूत होगी।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह नई नीति भारत की सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। अब देश केवल किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति पर नहीं रहेगा, बल्कि संभावित खतरों को पहले ही पहचानकर उन्हें रोकने की सक्रिय रणनीति अपनाई जाएगी। घुसपैठ, छद्म युद्ध, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिये हथियार पहुंचाना, साइबर अपराध और संगठित अपराध आज एक दूसरे से जुड़ी चुनौतियां बन चुकी हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ एकीकृत सुरक्षा तंत्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण, जनसंख्या संतुलन की निगरानी, आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों का विकास एक साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो भारत न केवल अपनी सीमाओं को अधिक सुरक्षित बना सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की बाहरी चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से सामना करने की स्थिति में भी होगा। अमित शाह द्वारा प्रस्तुत यह नई रणनीति केवल सीमा सुरक्षा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, सामरिक शक्ति और भविष्य के भारत की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने वाला व्यापक अभियान बनकर उभर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि इस पूरी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए अमित शाह स्वयं भी सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सीमा चौकियों का निरीक्षण किया, सुरक्षा बलों के साथ संवाद स्थापित किया, नियंत्रण रेखा का निरीक्षण किया, भारत-पाक सीमा के अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र जाकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और महिला जवानों के लिए नई बैरकों का उद्घाटन किया। स्पष्ट है कि मोदी सरकार केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक निगरानी प्रणाली, तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र, मजबूत समन्वय और प्रत्यक्ष निरीक्षण के माध्यम से पूरे सीमा सुरक्षा ढांचे को नए सिरे से सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

38 आतंकियों को फांसी

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

2014 में केन्द्र में सरकार के गठन के बाद भारत में जिस तरह आतंकवाद के विरुद्ध सघन अभियान कार्यपालिका व विधायिका ने चलाया उसकी प्रतिध्वनि हमें राज्य के अन्य संवैधानिक प्रतिष्ठानों में भी सुनने को मिली जिससे भारत की एकता व अखंडता को मजबूती मिली। मोदी सरकार में श्री अमित शाह के गृहमन्त्री बनने के बाद जिस तरह भारत को नक्सलवाद से मुक्त किया गया वह इसी तथ्य का प्रमाण है कि संविधान के सत्ता वाले भारत में बन्दूक की गोली के जरिये न तो लोगों में दहशत पैदा करने के लिए कोई जगह है और न ही सरकारों को खौफजदा रखने की कोई गुंजाइश है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि आज देश में घरेलू स्तर के आतंकवादी संगठन नाकारा हो चुके हैं और सरकारी पुलिस अमलों से लेकर सशस्त्र अमले तक इस अभियान में कन्धे से कन्धा मिलाकर काम कर रहे हैं। आतंकवाद के विरुद्ध मोदी सरकार का दृढ़ संकल्प यह बताता है कि भारत में केवल शान्तिपूर्ण तरीके से ही संविधान की सत्ता का राज रहेगा। इस मामले में भारत की न्यायपालिका की भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है क्योंकि किसी आतंकवादी के पकड़े जाने के बाद उसके भाग्य का फैसला अन्त में अदालतें ही करती हैं।

इस सन्दर्भ में हाल ही में गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा हालिया पिछले दिनों में दिया गया यह फैसला मील का पत्थर है जिसमें 38 लोगों की मृत्युदंड की सजा को बरकरार रखा गया है। इसके साथ ही 11 अपराधियों की आजीवन कारावास की सजा को भी बहाल रखने के आदेश उच्च न्यायालय ने दिये। ये फैसला 2008 में अहमदाबाद में किये गये शृंखलाबद्ध बम कांड में दिया गया। इस बम कांड के सिलसिले में संलिप्त व्यक्तियों को पकड़ कर पुलिस ने सत्र न्यायालय में मुकदमा शुरू किया था जिसमें 49 अभियुक्तों को सजा सुनाई गई थी। यह फैसला फरवरी 2022 में दिया गया था जिसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। अहमदाबाद बम कांड में कुल 56 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी। इसमें इंडियन मुजाहिदीन जैसी आतंकवादी संस्था का हाथ था जिसे प्रतिबन्धित संगठन 'सिमी' का सहायक संगठन माना जाता है। इस संगठन ने जुलाई 2008 में अहमदाबाद सहित कुछ अन्य स्थानों पर भी बम विस्फोट किये थे और कहा था कि यह 2002 के गोधरा दंगों का जवाब है। पुलिस ने इस कांड में संलिप्त लोगों को पकड़ने पर पाया कि वे सभी इंडियन मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं। इन सभी अभियुक्तों को पुलिस अदालत में ले गई जहां उनका अपराध सिद्ध हो गया और फरवरी 2022 में उसने सजा सुना दी। आतंकवाद के विरुद्ध भारत का यह समूचा संकल्प शुरू से ही रहा है कि इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अतः मोदी सरकार ने सत्ता पर बैठने के बाद पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी घटनाओं का जवाब भी उसके घर में घुस कर मारने की नीति से दिया और भारत के दृढ़ संकल्प का इजहार किया। जहां तक भारत के भीतर पनपी आतंकवादी संस्थाओं का प्रश्न है तो मोदी सरकार ने इन पर भी कानून की गाज गिराते हुए इन्हें प्रतिबन्धित किया और इनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी।

अहमदाबाद बम कांड में पकड़े मुजरिमों को पहले सत्र न्यायालय ने मुजरिम घोषित किया और बाद में उच्च न्यायालय ने। मगर इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि स्वतन्त्र भारत में यह पहला अवसर है जब इतनी बड़ी संख्या में मुजरिमों के मृत्युदंड की सजा को बहाल रखा गया हो। इसका सीधा अर्थ यही निकलता है कि मुजरिमों के विरुद्ध पुलिस ने इतने पुख्ता सबूत जुटाये कि उच्च न्यायालय तक को उन्हें स्वीकार करना पड़ा। उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने अपना फैसला सर्वसम्मति से देते हुए कहा कि इस बम कांड में हताहत हुए सभी मृत व्यक्तियों के परिवारों को दस-दस लाख रुपए का मुआवजा दिया जाये और जो गंभीर रूप से जख्मी हुए थे उन्हें पांच-पांच लाख रुपए दिये जायें और साधारण जख्मियों को एक-एक लाख रुपये। इंडियन मुजाहिदीन के जिन 38 लोगों पर सजाये मौत की तलवार लटकी हुई है उनमें 14 गुजरात से हैं, आठ उत्तर प्रदेश से, पांच महाराष्ट्र से, पांच मध्य प्रदेश से, दो-दो केरल व कर्नाटक से व एक हैदराबाद से। इससे पता चलता है कि आतंकवादी संस्था ने अपना जाल किस तरह बिछा रखा था। इनके 11 साथी और भी थे जिन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। 26 जुलाई, 2008 को इन लोगों ने अहमदाबाद में विभिन्न स्थानों पर 22 बम फोड़े थे। जिनमें दो अस्पताल भी शामिल थे। अतः इन आतंकवादियों के नृशंस इरादों को देखा जा सकता है और सिद्ध होता है कि ऐसे लोग मानवता के दुश्मन होते हैं जिनके प्रति दया भाव नहीं रखा जा सकता।

बेशक भारत में कुछ लोग मृत्युदंड की मुखालफत अपने-अपने तर्कों के हिसाब से करते रहते हैं मगर मानवता के विरुद्ध किये गये अपराध को किस प्रकार 'क्षम्य' माना जा सकता है जबकि विश्व की अन्तर्राष्ट्रीय अदालत भी ऐसे अपराध को क्षम्य नहीं मानती है। अहमदाबाद बम कांड में पुलिस ने कुल 77 लोगों को अभियुक्त बनाया था और इन्हें सत्र न्यायालय में पेश किया था। इनमें से अदालत ने 49 को ही दोषी पाया और 28 अभियुक्तों को सन्देह का लाभ देते हुए रिहा कर दिया। इसलिए अदालत ने उन ठोस सबूतों के आधार पर ही अपना फैसला दिया जो उच्च अदालतों में भी टिके रह सकें। इस पूरे मामले का अगर वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाये तो हम इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि आतंकवादी घटनाओं के मुकदमों को स्थानीय स्तर पर ही पुलिस को 'तथ्य, कथ्य और पारिस्थितिक' तौर पर इतना कसा हुआ बनाना चाहिए कि उच्च अदालतों में भी उनकी काट न हो सके। आतंकवाद के मामले में तो उसे और भी ज्यादा संजीदा रहना चाहिए क्योंकि इसका सम्बन्ध मानवता से होता है।

आस्था उद्योग

पवन शर्मा

जब भगवान भी ब्रांड बन जाएँ और श्रद्धा सबसे बड़ा कारोबार। यदि किसी युवक को करोड़पति बनना हो, तो क्या उसे इंजीनियर बनना चाहिए... डॉक्टर बनना चाहिए... वैज्ञानिक बनना चाहिए... या बाबा? यह प्रश्न सुनने में व्यंग्य लग सकता है। लेकिन आज के भारत में यह एक राष्ट्रीय प्रश्न बन चुका है। एक तरफ़ देश का युवा है। बचपन से प्रतियोगिता, कोचिंग, डिग्रियाँ। इंजीनियरिंग, मेडिकल, एमबीए,पीएचडी सालों का संघर्ष। माता-पिता की जीवनभर की कमाई और अंत में... बेरोज़गारी, संविदा नौकरी, या मामूली वेतन। दूसरी तरफ़ कुछ स्वयंभू आध्यात्मिक हस्तियाँ हैं, जिन्होंने कुछ वर्षों या दशकों में विशाल धार्मिक संस्थान, मीडिया नेटवर्क, उद्योग, रियल एस्टेट, विश्वविद्यालय, अस्पताल, उत्पाद, चैनल और व्यापक आर्थिक प्रभाव खड़ा कर लिया। यहाँ प्रश्न उनकी आध्यात्मिक भूमिका का नहीं है। प्रश्न है भारत में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला उद्योग आखिर है कौन? स्टार्टअप? आईटी? रियल एस्टेट? या... आस्था उद्योग?

यदि कोई उद्योगपति हजार करोड़ का साम्राज्य बनाता है तो आयकर विभाग, प्रवर्तन एजेंसियाँ, ऑडिटर, नियामक संस्थाएँ, शेयरधारक और मीडिया-सब उसकी गतिविधियों पर नज़र रखते हैं। तो फिर एक ऐसा धार्मिक या आध्यात्मिक संगठन, जिसके पास अपार संपत्ति, विशाल दान और करोड़ों अनुयायी हों, क्या उसे भी समान स्तर की पारदर्शिता और जवाबदेही के दायरे में नहीं आना चाहिए? क्या कानून की कसौटी व्यक्ति के पेशे से तय होगी...या संविधान से? सबसे चिंताजनक बात यह नहीं कि लोग आस्था रखते हैं। आस्था भारतीय सभ्यता की आत्मा है। चिंता तब शुरू होती है जब आस्था प्रश्न पूछना बंद कर देती है। जब धर्म, धन और सत्ता एक-दूसरे का सहारा बनने लगें, तब लोकतंत्र को स्वयं से प्रश्न पूछना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति नागरिक है। यदि नागरिक प्रश्न पूछना छोड़ दे, तो लोकतंत्र भी धीरे-धीरे भीड़तंत्र में बदल सकता है। इसलिए अब समय आ गया है कि भारत कुछ कठिन लेकिन आवश्यक निर्णय ले। पहला हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट, आश्रम और आध्यात्मिक संस्था के लिए वार्षिक स्वतंत्र वित्तीय ऑडिट अनिवार्य हो। दूसरा- बड़े दानों, अचल संपत्तियों और व्यावसायिक गतिविधियों का सार्वजनिक विवरण उपलब्ध हो। तीसरा- धर्म के नाम पर किए जाने वाले आर्थिक, चिकित्सीय या चमत्कारी दावों पर वही कानून लागू हों जो किसी अन्य संस्था पर लागू होते हैं। चौथा- विद्यालयों में केवल जानकारी नहीं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और प्रश्न पूछने का साहस सिखाया जाए। क्योंकि जहाँ प्रश्न मर जाते हैं वहाँ अंधविश्वास जन्म लेता है। और जहाँ अंधविश्वास फलता-फूलता है... वहाँ शोषण भी पनपता है। यह लेख किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है। यह उन संतों के विरुद्ध भी नहीं है जिन्होंने अपना जीवन सेवा, त्याग और मानवता को समर्पित किया। त्याग-प्रदर्शन में अंतर है। संत और सेलिब्रिटी में अंतर है। उस अंतर को पहचानना ही समाज की परिपक्वता है। आज भारत को मंदिरों से नहीं। मस्तिष्कों से डरना चाहिए जो प्रश्न पूछना छोड़ चुके हैं। देश को बाबाओं से नहीं। अंधसमर्पण से डरना चाहिए। सरकार को आलोचना से नहीं। पारदर्शिता से प्रेम करना चाहिए। क्योंकि जिस दिन भारत ने आस्था और उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बना लिया... उस दिन धर्म भी सुरक्षित होगा, लोकतंत्र भी और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी।

हर साल बदइंतजामी की बाढ़ में डूबती व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार तथा पर्यावरण संरक्षण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढ़ांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है।

यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में 'लिडार' तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और 'रॉकफॉल बैरियर्स' के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूर्वानुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात् हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन ('आपदा के बाद राहत' से 'आपदा से पहले तैयारी' की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 'डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट' को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही 'स्पंज सिटी' मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरीकरण माह का शुभारंभ, जागरूकता रैली निकाली गई

नीमच। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनसंख्या स्थिरीकरण माह के शुभारंभ पर जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली को जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ.आर.के. खद्योत, सिविल सर्जन-सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाटील तथा डॉ.संगीता भारती ने जिला चिकित्सालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. आर.के. खद्योत ने बताया कि जिले में 11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक जनसंख्या स्थिरीकरण सेवा प्रदायगी सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में नसबंदी शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा परिवार नियोजन सेवाएं सुलभ कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए विभिन्न परिवार नियोजन साधन बास्केट ऑफ चॉइस के अंतर्गत उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें निरोध, माला-डी, माला-एन, छाया गर्भनिरोधक गोली, आकस्मिक गर्भनिरोधक गोलियां तथा अंतरा इंजेक्शन शामिल हैं। हितग्राही अपनी आवश्यकता एवं इच्छा के अनुसार इनमें से किसी भी अस्थायी साधन का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त महिला एवं पुरुष नसबंदी की स्थायी सेवाएं भी जिले में निरंतर उपलब्ध कराई जा रही हैं। पात्र हितग्राही शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सेवाओं का लाभ लेकर परिवार कल्याण कार्यक्रम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

जागरूकता रैली जिला चिकित्सालय नीमच से प्रारंभ होकर फ्रूट मार्केट, हेमू कालानी चौराहा एवं सिंधी कॉलोनी मार्ग से होते हुए पुनः जिला चिकित्सालय पहुंचकर सम्पन्न हुई। रैली में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शहरी आशा कार्यकर्ता तथा ज्ञानोदय नर्सिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर सीमित परिवार के लाभों का संदेश दिया तथा नारों के माध्यम से आमजन को परिवार नियोजन एवं जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर मानव अधिकार आयोग के मित्र श्री कमलाशंकर कारपेंटर एवं श्री देवीलाल वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में अब तक औसत 258.2 मि.मी. वर्षा दर्ज

नीमच। जिले में चालू वर्षाकाल के दौरान अब तक औसत 258.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में औसत 315.1 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख, नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से 11 जुलाई 2026 की प्रातः 8 बजे तक जिले की चारों तहसीलों में वर्षा का विवरण इस प्रकार है- नीमच में 333.0 मि.मी., जावद में 239.0 मि.मी., सिंगोली में 240.9 मि.मी. तथा मनासा में 220.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

गत वर्ष इसी अवधि में नीमच में 293.6 मि.मी., जावद में 330.0 मि.मी., सिंगोली में 437.0 मि.मी. तथा मनासा में 200.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। इसी प्रकार, 11 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे तक बीते 24 घंटों में जिले में औसतन वर्षा रिकॉर्ड नहीं की गई। इस दौरान नीमच, जावद, मनासा एवं सिंगोली में वर्षा दर्ज नहीं की गई।

सफलता की कहानी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बनी नीमच की अंतिमबाला के परिवार की आर्थिक संबल

नीमच। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ उनके परिवार की खुशहाली का भी आधार बन रही है। योजना के तहत प्राप्त होने वाली नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ बच्चों की शिक्षा और परिवार के दैनिक खर्चों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इसी क्रम में नीमच नगर के वार्ड क्रमांक-1 की निवासी श्रीमती अंतिमबाला कुमावत भी योजना से लाभान्वित हो रही हैं।

उन्हें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1,500 रुपये की राशि प्राप्त हो रही है। अंतिमबाला बताती हैं कि योजना से मिलने वाली इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की ट्यूशन फीस, पढ़ाई-लिखाई एवं

अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं पर करती हैं। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है और बच्चों की शिक्षा नियमित रूप से जारी रखने में सहायता मिली है। अंतिमबाला का कहना है कि पहले बच्चों की पढ़ाई का खर्च जुटाना कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता था, लेकिन अब हर महीने मिलने वाली सहायता राशि से उन्हें काफी राहत मिली है।

इससे वे बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए निश्चिंत होकर उनकी शिक्षा पर ध्यान दे पा रही हैं। वे कहती हैं कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना ने उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया है और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के सपनों को साकार करने में सहयोग दिया है। योजना से लाभान्वित अंतिमबाला कुमावत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं और उनके परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम

देवास। जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 11 से 18 जुलाई 2026 तक विश्व जनसंख्या दिवस अभियान संचालित किया जा रहा। अभियान के तहत आमजन को जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन के प्रति जागरूक किया जाएगा।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि इस वर्ष की थीम ''हेल्दी टाइमिंग एंड स्पेसिंग बिटवीन प्रेग्नेंसीज फार वेल बीइंग ऑफ मदर एंड चाइल्ड एंड टू प्रिवेंट अनइन्टेन्ड प्रेग्नेंसीज'' (माँ और बच्चे के कल्याण तथा अनचाहे गर्भ को रोकने के लिए गर्भधारण के बीच स्वस्थ समय और अंतर) है।

जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. शाहिद शेख ने बताया कि अभियान के दौरान जिले का स्वास्थ्य अमला घर-घर पहुँचकर आमजन से संवाद स्थापित करेगा तथा परिवार नियोजन के आधुनिक, सुरक्षित एवं प्रभावी साधनों की जानकारी देकर उन्हें अपनी आवश्यकता और इच्छा के अनुसार उचित साधन अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता, एएनएम व अन्य मैदानी कार्यकर्ता गृहभेंट, सास-बहू सम्मेलन, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस तथा अन्य सामुदायिक आयोजनों के माध्यम से पात्र दम्पत्तियों से संपर्क करेंगे। उन्हें बताया जाएगा कि विवाह के बाद पहले बच्चे में कम से कम दो वर्ष की देरी तथा पहले और दूसरे बच्चे के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर माँ के स्वास्थ्य की सुरक्षा, बच्चे के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास और परिवार की खुशहाली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहरी क्षेत्र देवास की मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर, संजय नगर में परिवार नियोजन के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर दम्पतियों,महिलाओं,को परिवार नियोजन की जानकारी दी ।

तीन दिवसीय ''कम्युनिटी मीडिएशन'' प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

देवास। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास द्वारा 20 घंटे के विशेष ''कम्युनिटी मीडिएशन'' (सामुदायिक मध्यस्थता) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 से 13 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए विभिन्न समाजों में उनके परिचित सामुदायिक मध्यस्थों को तैयार करना और उन्हें प्रशिक्षित करना है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संचालित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य प्रशिक्षक एम.सी.पी.सी. की सीनियर ट्रेनर सुश्री रीमा भण्डारी (दिल्ली) एवं एसोसिएट ट्रेनर के रूप में डॉ. मोहम्मद शमीम सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा विभिन्न समाजों के गणमान्य प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रतिभागीगण को संघर्ष की प्रकृति एवं कारण, संघर्ष प्रबंधन, मध्यस्थता की परिभाषा और अवधारणा, मध्यस्थता प्रक्रिया और उसके चरण संचार कौशल, समझौता वार्ता, गतिरोध समाप्त करने की तकनीक, समझौता लेखन आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से तैयार होने वाले मध्यस्थ भविष्य में स्थानीय और सामुदायिक स्तर के विवादों को न्यायालय के बाहर आपसी सहमति से सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मन्दसौर में विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता रैली निकाली

मंदसौर । स्वास्थ्य विभाग जिला मीडिया अधिकारी डॉ. एम.एल. कश्यप ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मन्दसौर में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशाल जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को परिवार नियोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और सीमित परिवार के लाभों के प्रति जागरूक करना है। जिला स्वास्थ्य समिति, मन्दसौर के तत्वावधान में यह ÷विश्व जनसंख्या दिवस अभियान-2026÷ 11 जुलाई से प्रारंभ होकर 18 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा।

?जागरूकता रैली का शुभारंभ मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल की उपसंचालक श्रीमती राधिका गुप्ता एवं सहायक संचालक श्री वैभव पाटील द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। हरी झंडी दिखाने के पश्चात यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहाँ बैनर और संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

इस गरिमामयी आयोजन में प्रमुख रूप से सामाजिक कार्यकर्ता श्री बंशीलाल टॉक, आरएमओ डॉ. सौरव मंडवारिया, डॉ. निशांत शर्मा, डॉ. कमलेश कुमावत तथा जिला मीडिया अधिकारी डॉ. एम.एल. कश्यप उपस्थित रहे। रैली के सफल क्रियान्वयन में श्रीमती दीप्ति साहू, कमलेश दंडोतिया, शासकीय नर्सिंग कॉलेज की ट्यूटर्स, क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं और नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नारों के साथ जन-जागरूकता का संदेश प्रसारित किया।

अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे 11 से 18 जुलाई तक चलने वाले इस विशेष सप्ताह में शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध निःशुल्क परिवार कल्याण सेवाओं और सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने लोक सेवा गारंटी में लापरवाही पर नौ राजस्व अधिकारियों पर लगाया 9 हजार 500 का अर्थदण्ड

रतलाम। मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2010 के तहत समयसीमा में सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने के मामले में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने नौ राजस्व अधिकारियों पर कुल 9,500 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा बड़ावदा, तहसीलदार सैलाना, तहसीलदार रावटी, न्यायालय नायब तहसीलदार रतलाम शहर (पश्चिम भाग), तहसीलदार जावरा, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा ढोढर, न्यायालय नायब तहसीलदार आलोट, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा शिवगढ़ तथा न्यायालय नायब तहसीलदार पिपलौदा के कुल 38 प्रकरण निर्धारित समयसीमा से बाहर पाए गए। समयसीमा में आवेदनों का निराकरण नहीं होने के कारण आवेदकों को सेवाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो सकीं, जो अधिनियम का उल्लंघन है।

अधिनियम की धारा 7(1)(क) के तहत न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा बड़ावदा श्री भगवान सिंह ठाकुर पर 04 लंबित प्रकरणों के लिए 1000 रुपये, तहसीलदार सैलाना श्री कुलभूषण शर्मा पर 01 लंबित प्रकरण के लिए 250 रुपये, तहसीलदार रावटी श्रीमती वंदना किराडे पर 01 लंबित प्रकरण के लिए 250 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार रतलाम शहर (पश्चिम भाग) श्री ऋषभ ठाकुर पर 04 लंबित प्रकरणों के लिए 1000 रुपये, तहसीलदार जावरा श्री सहदेव मौरे पर 20 लंबित प्रकरणों के लिए 5000 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा ढोढर श्री वैभव जैन पर 03 लंबित प्रकरणों के लिए 750 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार आलोट श्री पंकज पवैया पर 02 लंबित प्रकरणों के लिए 500 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा शिवगढ़ श्री रामकलेश साकेत पर 02 लंबित प्रकरणों के लिए 500 रुपये तथा न्यायालय नायब तहसीलदार पिपलौदा श्रीमती श्रद्धा त्रिवेदी पर 01 लंबित प्रकरण के लिए 250 रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया है।

खुशियों की दास्तां - वीबी जी राम जी योजना से अब गांव में ही मिलेगा ज्यादा काम, बढ़ेगी आमदनी

सीहोर। ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार, बेहतर आय और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भारत सरकार द्वारा लागू की गई विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) ड्ड ड्डक्क त ऋरू त योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है। इस योजना के तहत अब पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी मिलेगी। साथ ही, देश के किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी ?300 से कम नहीं होगी, जबकि राष्ट्रीय औसत मजदूरी बढ़कर लगभग 327 प्रतिदिन हो गई है।

सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील के ग्राम महागांव जदीद निवासी श्रीमती कृष्णा कीर कहती हैं कि पहले रोजगार के केवल 100 दिन मिलते थे, लेकिन अब 125 दिनों तक काम मिलने से परिवार की आय में बढ़ोतरी होगी और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत बनेगी।

श्रीमती कृष्णा कीर ने कहा, ÷यह योजना हम जैसे ग्रामीण और मजदूर परिवारों के लिए बहुत लाभकारी है। अब गांव के आसपास ही ज्यादा दिनों तक काम मिलेगा, जिससे बाहर मजदूरी के लिए कम जाना पड़ेगा। रोजाना कम से कम 300 रुपये की मजदूरी मिलने से परिवार का खर्च चलाना आसान होगा और बच्चों की पढ़ाई सहित अन्य जरूरतें भी बेहतर तरीके से पूरी हो सकेंगी। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का हृदय से धन्यवाद देती हूं।

नई योजना में केवल रोजगार के दिनों में ही वृद्धि नहीं की गई है, बल्कि ग्रामीण विकास को भी नई दिशा दी गई है। इसके अंतर्गत जल संरक्षण, तालाबों और खेत-तालाबों का निर्माण, वर्षा जल संरक्षण, ग्रामीण सड़क एवं आधारभूत संरचना का विकास, कृषि उत्पादकता बढ़ाने वाले कार्य, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा महिलाओं की भागीदारी को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही समय पर रोजगार उपलब्ध कराने, निर्धारित अवधि में मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने तथा कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भी प्रभावी प्रावधान किए गए हैं। पहले से बने जॉब कार्ड भी मान्य रहेंगे, जिससे श्रमिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

महागांव जदीद की कृष्णा कीर जैसी हजारों ग्रामीण महिलाओं और श्रमिक परिवारों के लिए ड्डक्क त ऋरू त केवल एक रोजगार योजना नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत है। यह योजना विकसित भारत के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने के साथ ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित, जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सीहोर। विश्व जनसंख्या दिवस पर जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा किशोर स्वास्थ्य के प्रति जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम सीहोर जिला अस्पताल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समुदाय में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने वाली आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

जिला अस्पताल में ढ्ढक्र के सहयोग से प्रचार प्रसार के लिए सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके साथ ही रैली के माध्यम से आमजन को विवाह के बाद प्रथम संतान में उचित अंतराल रखने, दो बच्चों के जन्म के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर रखने, प्रसवोत्तर एवं गर्भपातोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ लेने, पुरुषों की परिवार नियोजन में सहभागिता बढ़ाने तथा दीर्घकालिक एवं अस्थायी गर्भनिरोधक साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार नियोजन संबंधी सेवाओं की जानकारी दी गई।

सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा किशोर स्वास्थ्य के प्रति जनजागरुकता के लिए जिले में 11 से 18 जुलाई तक अभियान का चलाया जा रहा है। अभियान की थीम "Healthy Timing & Spacing Between Pregnancies for well-being of mother & child and to prevent unintended pregnancies" है, जिसका संदेश है कि ÷माँ और बच्चे की अच्छी सेहत के लिए गर्भधारण का सही समय तथा गर्भावस्थाओं के बीच उचित अंतर रखना आवश्यक है तथा अनचाहे गर्भधारण से बचना चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास समाधान शिविर 13 से 17 जुलाई तक जनपद पंचायत कार्यालयों में आयोजित होंगे

रतलाम। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में प्रधानमंत्री आवास शिविर 13 जुलाई से 17 जुलाई तक सभी जनपद पंचायत कार्यालय में आयोजित किए जाएंगे।

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान, जिन हितग्राहियों की आवास की रुकी हुई किश्त, दस्तावेजों में त्रुटि, आधार त्रुटि सुधार, बैंक खाते या डीबीटी से संबंधित समस्या, समग्र आईडी एवं पोर्टल से संबंधित समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

जिले के सभी पत्र नागरिकों से अनुरोध है कि शिविर में आते समय समग्र परिवार आईडी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर अवश्य साथ लेकर आएं।

आबकारी विभाग के दल ने अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई कर 08 प्रकरण दर्ज किए

देवास। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग के दल द्वारा कन्नौद, खातेगांव, दीपगांव,नेमावर, बाईजगवाड़ा आदि में संदिग्ध स्थानों पर गश्त और दबिश की कार्रवाई की गई,कार्रवाई में 08 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 32(1) के तहत दर्ज किए गए। कार्रवाई में 70 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा, 210 पाव देसी मदिरा 24 बीयर एवं 4500 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। जप्त सामग्री की अनुमानित कीमत 04 लाख 83 हजार रुपये है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, पूजा गहलोत, राजश्री खन्ना, योगेंद्र सिंह, रोहित मुकाती, गोकुल प्रसाद मेघवाल, कैलाश जामोद राजाराम रैकवार, दीपक धुरिया, आबकारी मुख्य आरक्षक राजेश जोशी, अरविंद जिनवाल, विकास गौतम, दीपक तटवाड़े, गोविंद,शंकर लाल परते,सुरेंद्र वर्षी आबकारी आरक्षक निहाल खत्री, गीतेश पंडाग्रे, सनत ओझा, निकिता परमार शामिल थे।

रतलाम जिले की सभी तहसीलों में शनिवार को आयोजित होगे राजस्व निराकरण शिविर-कलेक्टर श्रीमती सिंह

रतलाम । कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशन में जिले की सभी तहसीलों में आज शनिवार को राजस्व निराकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करना है।

शिविरों में सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेखों में त्रुटि सुधार तथा अन्य राजस्व संबंधी प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण किया जाएगा। संबंधित राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करेंगे। जिला प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि जिनके राजस्व संबंधी प्रकरण लंबित हैं अथवा किसी प्रकार की समस्या है, वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित तहसील कार्यालय में आयोजित राजस्व निराकरण शिविर में उपस्थित होकर शासन की इस सुविधा का लाभ उठाएं।

तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

सीहोर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सीहोर श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायालय में 11 से 13 जुलाई तक आयोजित होने वाले सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, न्याय केवल न्यायालयों में नहीं मिलता अनेक बार वह समाज के भीतर संवाद विश्वास और सहभागिता से भी स्थापित होता है। यदि प्रत्येक समुदाय में प्रशिक्षित मध्यस्थ उपलब्ध हो तो अनेक विवाद प्रारंभिक स्तर पर ही शांतिपूर्वक सुलझाये जा सकते है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल तकनीकी जानकारी देना नहीं है, बल्कि ऐसी दृष्टि विकसित करना है जो विवाद को संघर्ष नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग का अवसर समझें। यह प्रशिक्षण केवल ज्ञान अर्जित करने का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक उत्तरदायित्व स्वीकार करने का अवसर भी है।

प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि विवादों का प्रारंभिक स्तर पर ही समाधान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम की पहल से अवगत कराते हुये कहा कि म.प्र. में सर्वप्रथम यह पहल की गई है, जिसके सुखद परिणाम प्राप्त हो रहे है। समुदाय विशेष के लोग अपने समुदाय के विकास में इस पहल के माध्यम से योगदान दे सकते है।

सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम सत्र में एमसीपीसी सीनियर ट्रेनर मोहम्मद शाहिद खान एवं सेवानिवृत्त प्रधान जिला न्यायाधीश एवं मास्टर ट्रेनर कु. भावना साधी ने मीडिएशन का महत्व, उद्देश्य एवं अन्य तकनीकी विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

इस अवसर पर सीनियर ट्रेनर एम.सी.पी. सी. मोहम्मद शाहिद, मास्टर ट्रेनर सेवानिवृत्त प्रधान जिला न्यायाधीश कु भावना साधी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई, विशेष न्यायाधीश श्री हेमंत जोशी, जिला न्यायाधीश श्रीमती स्मृतासिंह ठाकुर, जिला न्यायाधीश श्री एम. के. वर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री फारूक अहमद सिद्दीकी सहित न्यायिक अधिकारीगण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, विधिक सेवा कर्मचारीगण सहित विभिन्न समुदायों के प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

ई-लोक अदालत में कराया गया 14 प्रकरणों में समझौता

सीहोर । राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों में ई-लोक अदालत का आयोजन किया गया। ई-लोक अदालत में सीहोर जिला एवं तहसील स्तर पर कुल 09 खण्डपीठों का गठन किया गया। ई-लोक अदालत में कुल 45 प्रकरण रखे गये 14 प्रकरणों का निराकरण कर समझौता राशि 53 लाख 69 हजार 593 रूपये प्राप्त हुई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा ई-लोक अदालत लगाये जाने के निर्देश के पालन में जिला सीहोर में पहल की गई तथा ई-लोक अदालत में पक्षकारों को न्यायालय तक ना आना पड़े इसके लिए वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग और वीडियो कॉलिंग के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कर पक्षकारों के आपसी सहमति एवं स्वेच्छा से कुल 14 प्रकरणों में समझौता करवाया गया।

उच्च शिक्षा में कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा की आवश्यकता

वर्तमान समय में उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, कौशल निर्माण और रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति और बदलते रोजगार बाजार ने शिक्षा की भूमिका को व्यापक बना दिया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव और आधुनिक कौशल भी प्रदान किए जाएँ।

कौशल आधारित शिक्षा का महत्व

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने कौशल आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दिया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। वर्तमान उद्योग जगत ऐसे युवाओं की अपेक्षा करता है जिनमें तकनीकी ज्ञान के साथ संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, समस्या समाधान, टीम भावना और नवाचार की सोच भी विकसित हो। यही गुण विद्यार्थियों को प्रति स्पर्धात्मक वातावरण में सफ ल बनाते हैं।

आधुनिक तकनीक और नए अवसर

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ई-कॉमर्स तथा स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। यदि उच्च शिक्षण संस्थान इन विषयों से संबंधित पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करें, तो विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकेंगे और नए अवसरों का लाभ उठा पाएँगे।

नैतिक मूल्यों का समावेश

उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय चेतना का विकास करना भी है। शिक्षा तभी सार्थक मानी जाएगी, जब वह विद्यार्थियों को योग्य पेशेवर के साथ-साथ संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक भी बनाए।

डॉ. नीलेश पाण्डेय
प्राचार्य
हितकारिणी महिला महाविद्यालय, जबलपुर

रोजगारोन्मुखी शिक्षा की आवश्यकता

महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, परियोजना कार्य, प्रशिक्षण, उद्यमिता विकास कार्यक्रम तथा डिजिटल साक्षरता से जोड़ना समय की मांग है। इससे उन्हें वास्तविक कार्य-परिस्थितियों का अनुभव प्राप्त होता है और रोजगार प्राप्त करने की संभावनाएँ बढ़ती हैं। विशेष रूप से छात्राओं के लिए कौशल आधारित शिक्षा आर्थिक आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है।

12वीं के बाद करियर में चाहिए हाई सैलरी और शानदार ग्रोथ?

पेट्रोलियम इंजीनियर बनकर संवारें अपना भविष्य

12वीं साइंस स्ट्रीम (फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स) से पढ़ाई करने वाले छात्रों के सामने अक्सर इंजीनियरिंग के पारंपरिक विकल्प ही आते हैं। लेकिन यदि आप लीक से हटकर एक ऐसे करियर की तलाश में हैं, जिसमें शुरुआत से ही शानदार सैलरी पैकेज और बेहतरीन करियर ग्रोथ मिले, तो पेट्रोलियम इंजीनियर आपके लिए सबसे बेहतरीन और हाई-पेइंग विकल्पों में से एक साबित हो सकता है।

क्या होता है एक पेट्रोलियम इंजीनियर का काम?

पेट्रोलियम इंजीनियर का मुख्य काम जमीन के नीचे छिपे तेल और गैस के भंडारों की पहचान करना, उनका सुरक्षित उत्पादन बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों की मदद से इन प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना होता है। इसके तहत कार्य प्रकृति के आधार पर कई विशेष प्रोफाइल होते हैं।

1 रिजवायर इंजीनियर- इनका काम आधुनिक तकनीकों से जमीन के नीचे के भंडारों का विश्लेषण करना होता है। सरल शब्दों में, ये पता लगाते हैं कि किस स्थान पर कितना तेल या गैस मौजूद है।

2 अड्रिलिंग इंजीनियर- तेल और गैस को सुरक्षित तरीके से जमीन से बाहर निकालने के लिए पूरी प्लानिंग, डिजाइनिंग और ड्रिलिंग प्रक्रिया को अंजाम देना इनका काम होता है।

3 अप्रोडक्शन इंजीनियर- कुओं से तेल और गैस का प्रवाह सही बनाए रखना, उत्पादन की लागत को प्रबंधित करना और उपयोग होने वाले भारी उपकरणों की निगरानी करना इनकी जिम्मेदारी होती है।

एक्जीक्यूटिव एमबीए क्या है और क्यों बन रहा है

वर्किंग प्रोफेशनल्स की पहली पसंद?

आज के बदलते और कॉम्पिटिटिव बिजनेस वर्ल्ड में खुद को अपडेट रखना बेहद जरूरी हो गया है। यही वजह है जिन्हें काम का अच्छा-खासा एक्सपीरिएंस है उनके बीच एक्जीक्यूटिव एमबीए की डिग्री पहली पसंद बन रही है। इस कोर्स की खास बात यह है कि वर्किंग प्रोफेशनल्स को बिना नौकरी छोड़े बिजनेस की नई स्किल्स, स्ट्रैटेजिक सोच और प्रैक्टिकल अप्रोच सीखने में मदद करता है। इस कोर्स को करने वाले करीब 97 प्रतिशत स्टूडेंट्स के पास 13 साल या उससे ज्यादा का वर्क एक्सपीरियंस होता है, जिससे क्लासरूम में चर्चा और नेटवर्किंग का लेवल बहुत शानदार हो जाता है। इसके अलावा और क्या कुछ खास है इस कोर्स के बारे में आइए जानते हैं आगे आर्टिकल में...

एक्जीक्यूटिव एमबीए के फायदे

इंटरनेशनल बिजनेस स्किल्स

आजकल ऑनलाइन और हाइब्रिड यानी ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन पढ़ाई को बड़ी पहचान मिल रही है। अब प्रोफेशनल्स ट्रेवल करते हुए या दूरदराज के इलाकों से भी आसानी से पढ़ाई कर सकते हैं। कई बड़े बिजनेस स्कूल अब एशियन संस्थानों के साथ पार्टनरशिप कर रहे हैं। इससे स्टूडेंट्स को इंटरनेशनल बिजनेस के तौर-तरीकों को सीधे समझने और ग्लोबल एक्सपोजर पाने का मौका मिल रहा है।

नेटवर्किंग होती है मजबूत

इस कोर्स का सबसे बड़ा फायदा है शानदार नेटवर्क। यहां इक्सपीरिएंस फैकल्टी, गेस्ट स्पीकर्स और अलग-अलग फील्ड के प्रोफेशनल्स एक साथ आते हैं। यह मजबूत एलुमनाई नेटवर्क आगे चलकर नए बिजनेस पार्टनर्स, जॉब ऑफर्स और स्टार्टअप शुरू करने में बहुत मददगार साबित होता है।

फुल-टाइम एमबीए से बेहतर

इसमें आपको अपनी चलती हुई नौकरी या सैलरी छोड़ने की जरूरत नहीं होती. क्योंकि आपकी कमाई बंद नहीं होती, इसलिए इस कोर्स पर होने वाला खर्च जेब पर भारी नहीं पड़ता. इसलिए यह फुल-टाइम एमबीए से कहीं बेहतर होता है। इसकी पढ़ाई केस स्टडीज और प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स पर आधारित होती है, यानी वीकेंड पर आपने जो सीखा, सोमवार को उसे सीधे अपने ऑफिस के काम में इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर कोई बहुत अच्छा इंजीनियर, डॉक्टर या वकील है, तो जरूरी नहीं कि उसे बिजनेस चलाना या टीम संभालना भी आता हो। ई एमबीए ऐसे ही टेक्निकल एक्सपर्ट्स को फ इनेंस, मार्केटिंग, ऑपरेशंस और स्ट्रेटेजी की भाषा सिखाता है।

सीवी होती है मजबूत

इसके बाद वे आसानी से कंपनी के बड़े पदों, जैसे सीईओ, सीएफओ पर बैठने के काबिल बन जाते हैं। इसके साथ ही, कोर्स के दौरान मिलने वाली पर्सनल करियर कोचिंग आपकी सीवी बेहतर करने और इंटरव्यू क्रैक करने में मदद करती है। आसान शब्दों में कहें तो, साल 2026 के अनिश्चित बाजार में ई एमबीए प्रोफेशनल्स को करियर में लंबी छलांग लगाने का सबसे मजबूत जरिया बन गया।

नेटवर्किंग बनाम मेंटरशिप

उज्ज्वल भविष्य के लिए कौन है अधिक महत्वपूर्ण?

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री या तकनीकी ज्ञान ही सफलता की गारंटी नहीं है। करियर में आगे बढ़ने के लिए सही लोगों से जुड़ना और अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन प्राप्त करना भी उतना ही आवश्यक है। यही कारण है कि नेटवर्किंग और मेंटरशिप आज हर क्षेत्र में सफ लता के दो महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाते हैं। अक्सर युवाओं के मन में यह प्रश्न उठता है कि बेहतर भविष्य के लिए इनमें से कौन अधिक उपयोगी है। वास्तव में, दोनों की अपनी अलग भूमिका है और दोनों मिलकर व्यक्ति के करियर को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं।

नेटवर्किंग क्या है?

नेटवर्किंग का अर्थ है अपने क्षेत्र से जुड़े लोगों, विशेषज्ञों, सहकर्मियों, शिक्षकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और अन्य पेशेवरों से सकारात्मक संबंध स्थापित करना। यह केवल परिचय बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ज्ञान, अनुभव और अवसरों का आदान-प्रदान करने की प्रक्रिया भी है।

नेटवर्किंग के प्रमुख लाभ

- रोजगार और करियर के नए अवसर प्राप्त होते हैं।
- विभिन्न क्षेत्रों की नवीनतम जानकारी और रुझानों से परिचित होने का अवसर मिलता है।
- व्यवसाय और स्टार्टअप के लिए नए साझेदार एवं ग्राहक मिल सकते हैं।
- आत्मविश्वास, संवाद कौशल और व्यक्तित्व का विकास होता है।
- कठिन परिस्थितियों में अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त हो सकता है।

जर्मनी में मास्टर्स के लिए देना होगा डीमेट एग्जाम, कैसे करें तैयारी

जर्मनी में हायर एजुकेशन हासिल करने की प्लानिंग कर रहे स्टूडेंट्स को यहां एडमिशन के लिए जरूरी सभी एग्जाम्स के बारे में मालूम होना चाहिए। हाल ही में जर्मनी में डीमेट नाम का एक और एग्जाम लाया गया है। आज हम इसी एग्जाम की तैयारियों के बारे में जानेंगे

डीमेट एग्जाम टिप्स

वर्ल्ड-क्लास यूनिवर्सिटीज, किफायती ट्यूशन फीस और बढ़िया करियर अवसर मुहैया कराने की वजह से जर्मनी, भारतीय छात्रों के बीच एक पॉपुलर स्टडी अब्रॉड डेस्टिनेशन बन चुका है। हर साल हजारों भारतीय यहां मास्टर्स कोर्सेज में एडमिशन के लिए अप्लाई कर रहे हैं। इस वजह से एडमिशन को लेकर कॉम्पिटिशन भी काफी ज्यादा बढ़ गया है। इसे ध्यान में रखते हुए अब एक नया एग्जाम लाया गया है, जो मास्टर्स एडमिशन के लिए जरूरी होगा।

जर्मनी की एकेडमिक इवैल्यूएशन सेंटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया के तहत एक नया डिजिटल मास्टर असेसमेंट टेस्ट यानि डीमेट अनिवार्य किया जा रहा है। अगर आप 2027 में जर्मनी में एडमिशन लेना चाहते हैं, तो अब आपको यह एग्जाम देना होगा, जो एपीएस डॉक्यूमेंटेशन प्रोसेस का हिस्सा है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस एग्जाम की तैयारी किस तरह करनी होगी और ये एग्जाम किसके लिए है।

डीमेट एग्जाम क्या है?

यह एग्जाम उन स्टूडेंट्स के लिए है, जो कुछ खास मास्टर्स प्रोग्राम में एडमिशन लेना चाहते हैं। इसके जरिए स्टूडेंट की बौद्धिक क्षमता, एनालिटिकल थिंकिंग, लॉजिकल रीजनिंग और सब्जेक्ट को लेकर उसकी जानकारी को चेक किया जाता है। ये एग्जाम भारत के कुछ प्रमुख शहरों में स्थित सेंटर्स पर डिजिटल मोड में करवाया जाएगा।

डीमेट एग्जाम किसे देना है?

एग्जाम जर्मनी में एडमिशन के लिए अप्लाई करने वाले हर स्टूडेंट के लिए है जो इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंफ ोर्मेशन टेक्नोलॉजी, कॉमर्स, अकाउंटिंग, फ इनेंस, इकोनॉमिक्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन या मैनेजमेंट से जुड़ा मास्टर्स कोर्स करना चाहते हैं।

एग्जाम का पैटर्न कैसा है?

इस एग्जाम को दो हिस्सों में बांटा गया है, जिसमें पहला कोर मॉड्यूल और दूसरा सब्जेक्ट मॉड्यूल हैं। कोर मॉड्यूल के जरिए स्टूडेंट की सामान्य अध्ययन क्षमता और संज्ञानात्मक (कॉग्निटिव) स्किल को चेक किया जाता है। कोर मॉड्यूल मुख्य तौर पर तीन सब-टेस्ट में बांटा गया है, जिसमें लॉजिकल रीजनिंग, एनालिटिकल थिंकिंग और कॉग्निटिव स्किल शामिल हैं। सब्जेक्ट मॉड्यूल के जरिए देखा जाता है कि स्टूडेंट ने पिछली पढ़ाई के दौरान जो नॉलेज हासिल की थी, उसके जरिए वह समस्याओं को किस तरह सुलझा सकता है। यह साढ़े तीन घंटे तक चलने वाली परीक्षा है, जिसमें दोनों मॉड्यूल के बीच में एक ब्रेक भी दिया जाएगा एग्जाम में पूछे जाने वाले सभी सवालों के जवाब सिंगल-चॉइस फॉर्मेट में होंगे और ये परीक्षा अंग्रेजी में होगी।

ज्ञान प्रभा

स्कॉलरशिप योजना

दिव्यांग छात्रों को उच्च षिक्षा के लिए आर्थिक सहायता

ज्ञान प्रभा स्कॉलरशिप योजना भारत सरकार के राष्ट्रीय ट्रस्ट द्वारा संचालित एक छात्रवृत्ति योजना है। इसका उद्देश्य दिव्यांग छात्रों को उच्च शिक्षा और कौशल विकास के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। यह योजना विशेष रूप से उन छात्रों के लिए है जो बौद्धिक एवं बहु-दिव्यांगता से प्रभावित हैं।

योजना का उद्देश्य

- दिव्यांग छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना।
- आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता करना।
- कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर बढ़ाना।
- शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना।

किन छात्रों को लाभ मिलता है?

यह योजना निम्न दिव्यांगताओं से प्रभावित छात्रों के लिए है

1 ऑटिज्म
2 सेरेब्रल पाल्सी
3 बौद्धिक दिव्यांगता
4 बहु-दिव्यांगता

पात्रता

- आवेदक भारत का नागरिक हो।
- राष्ट्रीय ट्रस्ट के अंतर्गत पंजीकृत दिव्यांगता हो।
- मान्यता प्राप्त विद्यालय, कॉलेज या कौशल विकास संस्थान में अध्ययनरत हो।
- आवश्यक दिव्यांगता प्रमाणपत्र एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध हों।

आवश्यक दस्तावेज

- आधार कार्ड
- दिव्यांगता प्रमाणपत्र
- आय प्रमाणपत्र (यदि आवश्यक हो)
- बैंक पासबुक
- पासपोर्ट आकार फोटो
- शैक्षणिक प्रमाणपत्र
- संस्थान का प्रवेश प्रमाणपत्र

आवेदन प्रक्रिया

राष्ट्रीय ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएँ। ज्ञान प्रभा स्कॉलरशिप स्कीम का चयन करें। ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरें। आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें। आवेदन जमा कर उसकी रसीद सुरक्षित रखें।

[फीफा विश्व कप 2026] विश्वकप के इतिहास में तीसरी बार अंतिम चार में जगह बनाई

बेल्जियम को 2-1 से हराकर स्पेन सेमीफाइनल में पहुंचा

एजेंसी ■ इंग्लवुड, (कैलिफोर्निया)

सुपर-सब मिकेल मेरिनो के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की बदौलत स्पेन ने फीफा विश्वकप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेल्जियम पर 2-1 से जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यह विश्वकप के इतिहास में तीसरी बार है जब स्पेन ने अंतिम चार में जगह बनाई है।

लॉस एंजेलिस स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गए विश्व कप के क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में स्पेन की ओर से फैबियन रुइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए। वहीं बेल्जियम की ओर एकमात्र गोल चार्ल्स डी केटेलेरे ने दागा। पहले हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ गोल दागे। स्पेन की ओर से फैबियन रुइज ने 30वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 11 मिनट बाद बेल्जियम ने चार्ल्स डी केटेलेरे के 41वें मिनट के गोलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

ऐसे में मैच जब अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था, इसी दौरान बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ चोट के कारण 71वें मिनट में मैदान से बाहर चले गए। उनके स्थान पर आए सेन लामेंस 88वें मिनट में मिकेल मेरिनो के गोल को नहीं रोक पाए। इस निर्णायक गोल ने स्पेन को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया और इटली के 37 मैचों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच गया। स्पेन अब मंगलवार को एक सपने जैसे सेमीफाइनल में फ्रांस का सामना करेगा। पिछले तीन वर्षों में दोनों देशों के बीच यह तीसरी मुलाकात होगी, जिसमें स्पेन ने 2024 में यूरोपीय चैंपियनशिप और 2025 में यूईएफए नेशंस लीग के सेमीफाइनल में जीत हासिल की थी।

हम फ्रांस को हरा सकते हैं, हम पूरी मेहनत करेंगे-फुएंते

बेल्जियम पर जीत के बाद स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'यह हमारी टीम के जज्बे का परिणाम है। इतनी समर्पित और लगातार बेहतर करने वाली टीम का कोच होना मेरे लिए सम्मान की बात है। हम फ्रांस को हरा सकते हैं। हम इसके लिए पूरी मेहनत करेंगे। हमारी टीम दो बार फ्रांस को हरा चुकी है। अब एक महान टीम का सामना दूसरी महान टीम से होगा।

मैच विजयी गोल करने वाले मिकेल मेरिनो ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। शायद ऐसा मौका दोबारा कभी न मिले। हम विश्वकप जीतने से सिर्फ दो मैच दूर हैं। यह सपना सच होने जैसा है। उम्मीद है कि हम इसे पूरा करेंगे।'

एमबाप्पे बनाम यमाल पर भी होगी नजर

सेमीफाइनल में फुटबॉल प्रेमियों की नजर किलियन एमबाप्पे और लामिन यमाल की भिड़ंत पर भी रहेगी। एमबाप्पे इस विश्व कप में पांच मैचों में आठ गोल और तीन असिस्ट के साथ शानदार फॉर्म में हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। वहीं यमाल अपनी ड्रिब्लिंग, गति और शानदार पासिंग से स्पेन के सबसे बड़े प्लेमेकर बनकर उभरे हैं। हालांकि, यमाल का कहना है कि बड़े नामों से स्पेन पर कोई दबाव नहीं पड़ेगा।

सेमीफाइनल के लिए अर्जेंटीना-स्विट्जरलैंड के बीच आज प्रातः होगा मुकाबला

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना 12 जुलाई यानी रविवार को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। भारतीय समय के मुताबिक ये मैच कैनसस सिटी स्टेडियम में सुबह 6.30 बजे से खेला जाएगा। इस मैच को जीतकर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में जगह बनाना चाहेगा।

भाग्य ने हमारा साथ नहीं दिया- गार्सिया

बेल्जियम फु टबॉल टीम के मुख्य कोच और मैनेजर रूडी गार्सिया ने स्पेन के हाथों विश्व कप क्वार्टर फाइनल में 2-1 से मिली हार को लेकर अपनी टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि भाग्य ने हमारा साथ नहीं दिया। मैच के बाद, गार्सिया ने इतनी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपनी टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, 'यह बहुत सरल था, हम अपने विश्व कप प्रदर्शन पर गर्व कर सकते हैं, हम सीखते हैं, हम हार से सीखते हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें शर्मिंदा होने की

कोई बात है। मुझे लगता है कि हम स्पेनिश टीम को कड़ी टक्कर देने में सक्षम थे। दुर्भाग्यवश, आज शाम किस्मत हमारे साथ नहीं थी। हमने अपना गोलकीपर खो दिया। हमने अपना कप्तान खो दिया। हमें डी ब्रुइन को दिए गए सब्स्टीट्यूट को बदलना पड़ा, जो मैच के अंत में हमारी खेल योजना का हिस्सा नहीं था।'

ब्राजील के विश्व कप से बाहर होने पर विनीसियस ने मांगी माफी

रियो डी जेनेरो। विनीसियस जूनियर ने नॉर्वे से राउंड ऑफ़ 16 में हारकर ब्राजील के वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद अपनी 'बेहद निराशा' जाहिर की है।

25 साल के खिलाड़ी ने पिछले रविवार को नॉर्वे से ब्राज़ील की 2-1 से हार के लिए फैन्स से माफी मांगी। यह नतीजा 1990 के बाद से टीम के वर्ल्ड कप से सबसे जल्दी बाहर होने का कारण बना। उन्होंने कहा, 'लगभग चार साल बाद, मैं एक बार फिर सोच रहा हूँ कि वर्ल्ड कप की निराशा के बाद क्या लिखूं,' उन्होंने कतर में क्रोएशिया से क्वार्टर फाइनल में मिली हार का ज़िक्र करते हुए यह बात कही। 'हर उम्र के बहुत से लोगों ने हमारा समर्थन किया और हमारे सपने को अपनाया, इसलिए चुप रहना गलत होता। लेकिन मुझे सोचने-समझने के लिए कुछ दिनों की जरूरत थी।

सेमीफाइनल में फ्रांस को हमसे डरना चाहिए-लामिन यामल

स्पेन के स्टार फु टबॉल खिलाड़ी लामिन यामल ने कहा, हमने फ्रांस को पहले भी दो बार हराया और इसलिए फीफा विश्वकप के सेमीफाइनल में उन्हें हमसे डरना चाहिए। इंग्लेवुड स्थित सोफी स्टेडियम में बेल्जियम पर स्पेन की जीत के बाद यामल ने पत्रकारों से कहा, 'अगर फ्रांस को किसी से डरना चाहिए, तो वह हम हैं। हमने उन्हें पहले भी हराया है। हमने उन्हें दो बार मात दी है। सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हम विश्व कप की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें हैं, इसलिए देखते हैं क्या होता है, लेकिन हमें

कोई डर नहीं है। यामल ने कहा, 'ऐसा लग सकता है कि हम अच्छा नहीं खेल रहे हैं, लेकिन हम जिस भी टीम के खिलाफ खेलते हैं, वह हमारे खिलाफ रक्षात्मक रुख अपनाती है। किसी ने भी हमारा डटकर मुकाबला नहीं किया, लेकिन अंत में आज फिर से जीत हमारी ही हुई।

गेहूं-चावल सस्ता, शकर महंगी, आटे की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। (एजेंसी)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। चावल के साथ गेहूं और दालों में भी नरमी रही जबकि शकर मजबूत हुई है। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 79 रुपये टूटकर 3,884 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 12 रुपये सस्ता हुआ और 2,800 रुपये प्रति

दिल्ली थोक जिंस बाजार भाव

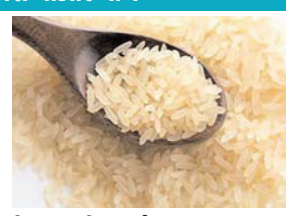

क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 21 रुपये बढ़ गई।

दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 61 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। चना दाल 37 रुपये और मूंग दाल 15 रुपये टूट गयी। उड़द दाल आठ रुपये और तुअर दाल चार रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।स्थानीय बाजार में मूंगफली तेल की औसत कीमत 51 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी जबकि अन्य खाद्य तेलों में गिरावट रही। वनस्पति 65 रुपये और पाम ऑयल 51 रुपये सस्ता हुआ। सरसों तेल 46 रुपये और सोया तेल 10 रुपये फिसल गया। सूरजमुखी तेल तीन रुपये प्रति क्विंटल उतर गया।मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 14 रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहेः दाल-दलहनः दाल चना 7758.83 रुपये, मसूर काली 8130.15 रुपये, मूंग दाल 10142.05 रुपये, उड़द दाल 11001.50 रुपये, तुअर दाल 11311.20 रुपये प्रति क्विंटल रही।

होम लोन में सिर्फ ईएमआई नहीं कुल ब्याज पर करें फोकस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन अक्सर लोग होम लोन लेते समय सिर्फ मासिक ईएमआई पर ध्यान देते हैं। यह जल्दबाजी बाद में महंगी साबित हो सकती है, क्योंकि बैंक को चुकाई जाने वाली कुल रकम आपकी उम्मीद से कहीं ज्यादा हो सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिर्फ ईएमआई नहीं, बल्कि कुल ब्याज और लोन की अवधि को ध्यान में रखकर ही होम लोन का फैसला लेना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक बताते हैं कि 8.5% ब्याज दर पर 20 साल के लिए 50 लाख रुपये का होम लोन लेने पर मासिक ईएमआई भले ही करीब 43,390 रुपये लगे।

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी की बढ़ी परेशानी, मिला दिवालियापन का नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार की दिग्गज कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अभी कुछ ही दिन पहले यह खबर सामने आई थी कि स्टर्लिंग ई-मोबिलिटी सॉल्यूशंस और एनीवॉल्व मैंडो ई-मोबिलिटी ने कंपनी के खिलाफ दिवालियापन की कार्रवाई शुरू की है। अब इस शेयर बाजार में लिस्टेड ईवी निर्माता को एक और बड़े झटके का सामना करना पड़ा है।

अध्यक्ष डॉ.शाजी कृष्णन वी ने कहा, संस्था अब तक कर चुकी 176 उत्पादों को जीआई पंजीकरण प्राप्त कराने में मदद

कंठी-माला व अलीगढ़ की मूर्तियों को मिला जीआई टैग, नाबार्ड ने किया सहयोग

लखनऊ। (एजेंसी)

बांके बिहारी की धरती मथुरा में बनने वाली कंठी माला सहित उत्तर प्रदेश के तीन नए उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) मिला है। इनमें अलीगढ़ में तैयार होने वाली धातु की मूर्तिया व दस्तगी-हस्तगी उत्पाद शामिल हैं।

इन उत्पादों को जीआई टैग दिलाने में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नाबार्ड ने इन जीआई उत्पादों के संवर्धन के लिए विभिन्न चैनल भागीदारों का सहयोग किया है। अब तक संस्था 176 उत्पादों को जीआई पंजीकरण प्राप्त कराने में

सहयोग कर चुकी है। हाल ही में नाबार्ड ने देशभर के 28 नए उत्पादों को जीआई पंजीकरण दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जीआई पंजीकरण प्राप्त करने वाले इन नए उत्पादों में पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा वस्त्र, बांस शिल्प, धातु शिल्प, मिट्टी के बर्तन, चित्रकला तथा वाद्य यंत्रों सहित विविध श्रेणियाँ शामिल हैं। इससे भारत के क्षेत्र-विशिष्ट उत्पादों के पोर्टफोलियो को कानूनी संरक्षण मिलने के साथ-साथ वैश्विक बाजार में उनकी संभावनाओं को भी और अधिक मजबूती मिली है।

नाबार्ड अध्यक्ष के मुताबिक नए जीआई टैग वाले उत्पादों में अलीगढ़ के मेटल स्टैच्यू, दस्तगी-हस्तगी उत्पाद व मथुरा की कंठी माला के साथ ही बिहार की नालंदा बावनबूटी साड़ी एवं वस्त्र तथा गया पत्थरकट्टी शिल्प, झारखंड की कुचाई सिल्क साड़ी एवं वस्त्र, असम के बांस शिल्प और बिहू पेपा, हिमाचल प्रदेश का वुड कार्विंग शिल्प, तथा मध्य प्रदेश का खजुराहो धातु शिल्प सहित देशभर के कई अन्य पारंपरिक उत्पाद शामिल हैं। नाबार्ड अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक और गुजरात में विभिन्न जीआई उत्पादों के उत्पादन एवं संवर्धन के लिए कुल 14 ग्रामीण उद्यम उत्पादक संगठन कार्यरत हैं।

50,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए

डॉ. शाजी कृष्णन वी. ने कहा, 'नाबार्ड उत्पादकों के सामूहिकीकरण, कौशल विकास, उद्यम संवर्धन, ब्रांडिंग, बाज़ार से जुड़ाव तथा निर्यात सुविधा के माध्यम से जीआई-आधारित मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि भारत की विशिष्ट विरासत स्थायी आर्थिक अवसरों में परिवर्तित हो सके।' उन्होंने जानकारी दी कि नाबार्ड की जीआई-आधारित पहलों के माध्यम से 13,000 से अधिक कारीगरों और उत्पादकों को उच्च-मूल्य वाले घरेलू बाज़ारों से जोड़ा गया है, जिससे ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिली है और पारंपरिक उत्पादों की व्यावसायिक संभावनाओं में वृद्धि हुई है। नाबार्ड द्वारा समर्थित जीआई मूल्य श्रृंखलाओं और उनसे जुड़े उद्यमों के माध्यम से अब तक 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए गए हैं।

नीति आयोग ने की शांति अधिनियम के कार्यान्वयन पर परामर्श बैठक

नई दिल्ली। नीति आयोग ने अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ शुक्रवार को शांति अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन पर एक परामर्श बैठक का आयोजन किया। दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित इस बैठक में सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं प्रमुखों तथा नीति निर्माताओं ने अधिनियम के परिचालन तंत्र पर विचार-विमर्श किया। परामर्श बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर अभय करंदीकर ने की। बैठक के दूसरे भाग में हितधारकों ने अधिनियम के कार्यान्वयन में सहयोग हेतु आवश्यक वित्तीय तंत्रों और जोखिम-निवारण ढांचों की समीक्षा की।

इंडियन बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा बढ़ा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के दो प्रमुख बैंक, इंडियन बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। शुक्रवार को जारी इन बैंकों के बेहतर नतीजों से निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिला, जिसके परिणामस्वरूप दोनों बैंकों के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। इंडियन बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 3,272 करोड़ रुपए रहा, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र का मुनाफा 27 फीसदी बढ़कर 2,020 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। शुक्रवार को जारी बेहतर तिमाही नतीजों के बाद

इंडियन बैंक के शेयर करीब 10 फीसदी चढ़कर बीएसई में 870.95 रुपए पर बंद हुए। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयर भी करीब 3 फीसदी बढ़कर 84.35 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए। इंडियन बैंक की ब्याज से शुद्ध आमदनी 17 फीसदी बढ़कर 7,435 करोड़ रुपए हो गई, जबकि ऋण वितरण सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 6.84 लाख करोड़ रुपए हो गया।

भाजपा कार्यालय में देवड़ा ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को भोपाल स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया, जबकि शेष प्रकरणों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया।

जनसंवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव है, उनमें बिना विलंब कार्रवाई की जाए तथा अन्य मामलों का भी समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े मामलों के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनता और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा उनकी ओर से उठाए गए जनहित के मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

सीएम की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक कल

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की अगली बैठक मंगलवार के स्थान पर बुधवार को होगी। कैबिनेट की बैठक मंत्रालय में सुबह 11 बजे होगी। आगामी विधानसभा सत्र को देखते हुए कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी।

प्रदेश में अल्प बारिश की संभावित आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रियों से बांधों के पानी की उपयोगिता, फसल उत्पादन आदि पर चर्चा करेंगे। सामान्यतः कैबिनेट की बैठक प्रत्येक मंगलवार को होती है, लेकिन मुख्यमंत्री के दिल्ली में होने के चलते इस बार कैबिनेट बैठक एक दिन आगे बढ़ा दी गई है। पिछले मंगलवार को भी कैबिनेट की बैठक नहीं हुई थी।

नामांकन रद्द होने के मामले में चुनाव आयोग को बचाने और कांग्रेस को बदनाम करने झूठी कहानी गढ़ी गई : नटराजन

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्यसभा चुनाव के बाद पहली बार कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने मीडिया के सामने रखी अपनी बात

राजधानी में सोमवार को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने राज्यसभा चुनाव में नामांकन रद्द होने के मामले में पहली बार खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नामांकन निरस्त होने के लिए कांग्रेस या उसके नेताओं की कोई गलती नहीं थी। दरअसल चुनाव आयोग को बचाने के लिए पार्टी पर लापरवाही का आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जल्द ही हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दाखिल करेगी। राज्यसभा चुनाव में नामांकन रद्द होने के विवाद पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने पहली बार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नामांकन निरस्त होने के लिए कांग्रेस नेताओं, वकीलों या नामांकन प्रक्रिया से जुड़े किसी भी व्यक्ति की कोई गलती नहीं थी। यह धारणा जानबूझकर बनाई गई कि पार्टी की लापरवाही के कारण नामांकन खारिज हुआ, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जल्द ही हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दाखिल करेगी।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवालः नटराजन ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने पूरे मामले में निष्पक्ष संस्था की भूमिका नहीं निभाई। उनका कहना था कि कांग्रेस नेताओं और वकीलों ने समय पर अपना पक्ष रखा, लेकिन आयोग ने राहत देने के बजाय रिटर्निंग अधिकारी के फैसले को बरकरार रखा।

नामांकन रद्द करने के आधार पर उठाए सवाल

मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि रिटर्निंग अधिकारी ने उनके खिलाफ लंबित प्रकरण की जानकारी नहीं देने को आधार बनाकर नामांकन खारिज किया, जबकि नामांकन के साथ जमा किए जाने वाले फॉर्म-26 में ऐसी जानकारी देने का कोई प्रावधान ही नहीं है। उन्होंने कहा कि बाद में संबंधित अदालत ने भी स्पष्ट कर दिया कि उस मामले में न्यायालय ने संज्ञान तक नहीं लिया था। ऐसे में नामांकन निरस्त करने का आधार ही टिकाऊ नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं और विधि विशेषज्ञों पर लापरवाही का आरोप पूरी तरह निराधार है। पार्टी के वरिष्ठ अधिवक्ता वर्षों से चुनावी प्रक्रिया संभालते रहे हैं और ऐसी सामान्य त्रुटि की संभावना नहीं थी। उनके मुताबिक चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल न उठें, इसलिए पूरी कहानी कांग्रेस की गलती बताकर पेश की गई।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में कुवैत की मत्स्य कंपनी ने किया 7,430 करोड़ का एग्रीमेंट

प्रदेश से 6 हजार करोड़ के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य,35 हजार रोजगार सृजित होंगे

भोपाल (नगर संवाददाता)

सीएम ने कहा- मप्र के के मछली उत्पादन को मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अन्नदाता की समृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं विकसित हो रही हैं। प्रदेश के मछुआरा समुदाय के लोग मछली पालन के जरिए ही अपनी आजीविका चलाते हैं। इन सबकी बेहतरी के लिए मप्र एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के अंतर्गत गतिविधियों को अंतर्राष्ट्रीय विस्तार दिया जा रहा है। आज कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच हुआ एग्रीमेंट प्रदेश में मत्स्य पालन और मछुआ कल्याण के क्षेत्र में नया इतिहास रचेगा।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी- ज़बेदी अल कुवैत फिशरीज कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच प्रदेश में 7 हजार 430 करोड़ रुपए के निवेश और बाय बैक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए। यह एग्रीमेंट मप्र एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत हुआ है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सीएम हाउस में एग्रीमेंट पर हुए हस्ताक्षर के बाद यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हुए एग्रीमेंट के दौरान जानकारी दी गई कि मप्र एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के अंतर्गत राज्य में आधुनिक निर्यातोन्मुखी एवं मूल्य संवर्धन मत्स्य उद्योग के विकास के लिए निजी एवं विदेशी निवेश आकर्षित करने का प्रावधान है। अनुबंध के अंतर्गत 7 हजार 430 करोड़ रूपए के अनुमानित निवेश से इंदिरा सागर, बरगी, बाणसागर और बारना जलाशय में केज कल्चर सहित बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। केज कल्चर के जरिए लगभग 4 लाख टन का अतिरिक्त मत्स्य उत्पादन अपेक्षित है। इसके साथ ही एक्वापोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स, ग्रीन हाउस से 1 लाख 23 हजार टन वेजिटेबल्स आदि का भी उत्पादन होगा। प्रदेश में हो रही इस नई पहल से 15 हजार प्रत्यक्ष और 20 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश से लगभग 6 हजार करोड़ रुपए के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य है। राज्य सरकार की इस पहल से प्रदेश के मछुआरे विशेष रूप से लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुवैत हमारा मित्र देश है, प्रदेश में विदेशी निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार पूर्ण समर्पण के साथ तेजी से कार्य कर रही है, अब इसके सुखद परिणाम भी लगातार सामने आ रहे हैं। भविष्य में मप्र मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा। यह अनुबंध मप्र को देश का अग्रणी मत्स्य निवेश और निर्यात केन्द्र बनाने की दिशा में एक प्रयास है।

डीजीपी ने कहा, नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0, एक व्यापक जनआंदोलन

भोपाल (नगर संवाददाता)

अंतर-विभागीय समन्वय बैठक में संयुक्त कार्ययोजना तैयार

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई तक संचालित राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' को व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई।

डीजीपी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' केवल पुलिस विभाग का अभियान नहीं, बल्कि समाज को नशामुक्त बनाने का व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में रायपुर में आयोजित डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन में प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा नारकोटिक्स के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई, जनजागरूकता, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और नशा छोड़ चुके लोगों की प्रेरक कहानियों को समाज तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया गया था। उसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए मप्र पुलिस इस वर्ष अभियान को और अधिक व्यापक स्वरूप में संचालित करेगी। 15 जुलाई को रवीन्द्र भवन, भोपाल में मुख्यमंत्री द्वारा अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) डी. श्रीनिवास वर्मा ने इस वर्ष विभिन्न विभागों को एक साझा मंच पर जोड़कर अभियान संचालित किया जाएगा। 15 दिवसीय अभियान के लिए विस्तृत कैलेंडर तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत नशा विरोधी शपथ, रैलियाँ, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, लघु फिल्मों का प्रदर्शन, चित्रकला, पोस्टर, निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं, छात्रावासों एवं मलिन बस्तियों में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री सोमवार को भोपाल में करेंगे एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री सोमवार 13 जुलाई को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर का शुभारंभ करेंगे। साथ ही राज्य सरकार के प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास के विजन को साझा कर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ वन- टू-वन बैठक कर निवेश, परियोजनाओं के क्रिया न्वयन एवं भावी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री कॉनक्लेव परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित टेकग्रोथ कॉनक्लेव 3.0 का उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को गति देना और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डेटा सेंटर एवं सेमीकं डक्टर क्षेत्र में प्रदेश को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करना है।

समय-सीमा समीक्षा बैठक में की विभागवार की गई समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

- टीएल बैठक में एडीएम सुमित पांडे ने जताई नाराजगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

जिले में सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई की शिकायतों के समय पर निराकरण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समय-सीमा (टीएल) समीक्षा बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी (एडीएम) सुमित पांडे ने विभागवार समीक्षा के दौरान लंबित और अनटेंडेड शिकायतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एडीएम ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। केवल औपचारिक जवाब देकर शिकायतों का निराकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभागों को निर्देश दिए गए कि लंबित मामलों का जल्द समाधान कर शिकायतकर्ताओं को राहत दिलाई जाए।

बैठक में जनसुनवाई से प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। कई मामलों में कार्रवाई लंबित रहने पर एडीएम ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ तय समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को एक ही समस्या के समाधान के लिए बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े।

आगामी विधानसभा सत्र को देखते हुए विभागों को विधानसभा प्रश्नों के सही और समय पर जवाब तैयार रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा कृषि विभाग को 'कृषक कल्याण वर्ष' के लक्ष्य पूरे करने, खनिज विभाग को अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने तथा स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य सेवाओं और अभियानों में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।साथ ही शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी केंद्रों के को-लोकेशन की प्रक्रिया तेज करने, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ने और साक्षरता अभियान में तेजी लाने के निर्देश भी बैठक में दिए गए।

बिजली कंपनी : जिस ठेकेदार के नाम कार्य आदेश, वही करेगा काम

- सीएमडी ऋषि गर्ग ने जारी किए निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने निर्णय लिया है कि जिस पैनलबद्ध ठेकेदार के नाम पर कार्य आदेश जारी हुआ है, वही संबंधित कार्य करेगा। किसी भी स्थिति में ये कार्य किसी अन्य ठेकेदार, एजेंसी या व्यक्ति को नहीं सौंपा जा सकेगा। कंपनी ने लाइन एवं सबस्टेशन से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने ये कदम उठाया है।

बता दें कि कंपनी के संज्ञान में आया था कि कुछ स्थानों पर कार्य आदेश एक ठेकेदार के नाम पर जारी हुआ है, लेकिन काम किसी अन्य व्यक्ति या ठेकेदार से कराया जा रहा था। इसे कंपनी ने नियमों का गंभीर उल्लंघन माना है। जारी निर्देशों के अनुसार संबंधित अधिकारी तय करेंगे कि कार्य केवल अधिकृत ठेकेदार ही करेगी। इसके लिए नियमित रूप से कार्यस्थलों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

बिना काटे बिजली पहुंचाने का कीर्तिमान

आंधी-तूफान, तेज बारिश, बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदा और अन्य अप्रत्याशित व्यवधानों जैसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने उल्लेखनीय कीर्तिमान हासिल किया है। इस उपलब्धि के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि कंपनी की 593 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों ने पिछले चार वर्षों से बिना बाधा के निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो रही है।

कक्षा पांच-आठ की पुर्नपरीक्षा के परिणाम होंगे घोषित

- दो लाख 49 हजार बच्चों ने दी परीक्षा
- विद्यार्थी राज्य शिक्षा केंद्र के वेब पोर्टल पर परिणाम देख सकेंगे

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्य शिक्षा केन्द्र कक्षा 5 वीं और 8 वीं की पुर्नपरीक्षा का परिणाम मंगलवार को दोपहर 2 बजे घोषित करेगी। राज्य शिक्षा केंद्र के वेब पोर्टल पर विद्यार्थी परिणाम देख सकते हैं।

विद्यार्थी एवं अभिभावक राज्य शिक्षा केंद्र के वेब पोर्टल पर परिणाम देख सकेंगे। इसके साथ ही इसी पोर्टल पर शिक्षक, संस्था प्रमुख अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकेंगे।

बता दें कि राज्य शिक्षा केंद्र 16 से 23 जून के बीच उक्त पुर्नपरीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में प्रदेश के शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5 वीं के 1 लाख 17 हज़ार और कक्षा 8 वीं के 1 लाख 32 हज़ार समेत कुल 2.49 लाख विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 322 केंद्र बनाये गए थे। 17 हज़ार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं ने अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई है।

निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू

राजधानी समेत निजी स्कूलों में आरटीई की 30 प्रतिशत सीटें रह गईं रिक्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून आरटीआई अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के निजी स्कूलों में लगभग 8 हजार स्कूलों की 21 हजार (30 फीसदी) सीटें रिक्त रह गई है। इन शालाओं में रिक्त सीटों को भरने तीसरे चरण में निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया राज्य शिक्षा केंद्र ने शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। आरएसके के अधिकारी अमिताभ अनुरागी के अनुसार प्रदेश में आरटीई अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया तहत एक लाख छह हजार सीटें भर गईं थीं। लेकिन बच्चों के न आने से लगभग 50 हजार सीटें रिक्त रह गई हैं। जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, पोर्टल पर स्कूलों का नाम सोमवार को प्रदर्शित कर दिया गया है।

नहीं होगा कोई नया पंजीयन

राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि तृतीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। ऐसे आवेदक, जिन्होंने पूर्व चरणों में आवेदन किया था और सत्यापन उपरांत पात्र पाए गए, लेकिन उन्हें कोई भी विद्यालय आवंटित नहीं हुआ, वे तृतीय चरण के लिए विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा, वे आवेदक, जिन्हें पूर्व चरण में विद्यालय आवंटित हुआ था, लेकिन विद्यालय पसंद न आने या अन्य कारणों से उन्होंने प्रवेश नहीं लिया, वे भी इस प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पसंद के विद्यालय चुन सकते हैं।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 1.15 लाख शिक्षकों के खाली हैं पद

10 हजार स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं नहीं

- अधिवक्ता जैन की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने दिया सरकार को नोटिस

नगर संवाददाता ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में स्वीकृ 2.89 लाख में से 1.15 लाख शिक्षकों की भारी कमी है। यही नहीं, 10 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसे लेकर दायर जनहित याचिका पर मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर बेंच ने राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस देकर 17 अगस्त तक जवाब मांगा है। याचिकाककर्ता अधिवक्ता बीएल. जैन सेंधवा ने बताया कि कोर्ट ने इसे बच्चों के शिक्षा के अधिकार का सीधा उल्लंघन मानते हुए केंद्र और राज्य सरकार दोनों को नोटिस जारी कर 17 अगस्त तक जवाब तलब किया है। जैन ने बताया कि उनके द्वारा दायर याचिका में मध्यप्रदेश की बदहाल स्कूली शिक्षा का जानकारी माननीय न्यायालय को दी है। इसमें बताया गया कि 40 फीसदी शिक्षकों के पद रिक्त है।

95 स्कूलों में नहीं हैं कम्प्यूटर

जैन ने बताया कि डिजिटल शिक्षा के तहत प्रदेश के 59 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कैग की 2025 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कोर्ट को बताया कि सरकारी स्कूलों में पिछले 10 वर्ष में कक्षा एक से 12 वीं तक 22 लाख विद्यार्थी घट गए हैं। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा साफ दर्शाता है कि लचर व्यवस्था के कारण जनता का सरकारी स्कूलों से भरोसा उठ रहा है। उन्होंने बताया कि जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने इन तथ्यों को बेहद गंभीर माना है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए पूछा है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में खाली पड़े पदों पर सरकार समय से भर्ती क्यों नहीं कर पा रही है? अब सरकार को 17 अगस्त तक कोर्ट में अपना विस्तृत एक्शन प्लान और स्पष्टीकरण देना होगा।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।